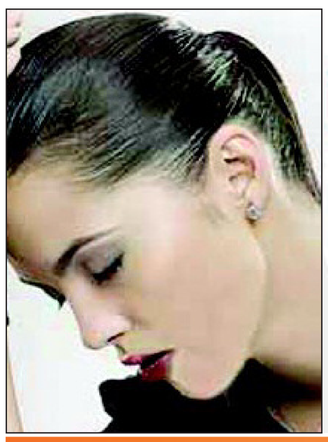

सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

वर्ष : 02 | अंक : 77 | शुक्रवार 19 जून 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

विरासत भी-विकास भी के 12 साल: पीएम मोदी बोले - भारत की सांस्कृतिक विरासत को मिला नया जोश

नई दिल्ली एजेंसी: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को 'विरासत भी, विकास भी' अभियान के 12 साल पूरे होने पर कहा कि इस नीति के तहत भारत की सांस्कृतिक विरासत को नए जोश के साथ संरक्षित और आगे बढ़ाया जा रहा है।'' पर एक पोस्ट में प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि प्राचीन वस्तुओं की वापसी और आध्यात्मिक व तीर्थयात्रा से जुड़े बुनियादी ढांचे को मजबूत करने जैसे कदमों से लोग देश की सदियों पुरानी परंपराओं से फिर से जुड़ रहे हैं। पीएम मोदी ने कहा कि भारत की सांस्कृतिक विरासत को नए जोश के साथ संजोया, मनाया और आगे बढ़ाया जा रहा है। 'विरासत भी, विकास भी' के विजन से प्रेरित होकर, प्राचीन वस्तुओं की वापसी से लेकर आध्यात्मिक और तीर्थयात्रा से जुड़े इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने तक के प्रयास लोगों को भारत की सदियों पुरानी परंपराओं से फिर से जोड़ रहे हैं।

ट्रैक्टर से किनारा और टैरिफ वॉर के बाद तुर्स्प के बदले तेवर, सफेद घर ने दिए भारत दौरे के संकेत

नई दिल्ली एजेंसी: भारत और अमेरिका अपने रिश्तों को बेहतर बनाने की दिशा में काम कर रहे हैं, ऐसे में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि वह जल्द ही भारत का दौरा करना चाहेंगे। फ्रांस में जी7 समिट 2026 के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बात करते हुए अमेरिकी नेता ने कहा कि वह "भविष्य में कभी भारत आएंगे लेकिन उन्होंने कोई तारीख या साल नहीं बताया। अगर व्हाइट हाउस भारत दौरे की घोषणा करता है, तो 2025 में अपना दूसरा कार्यकाल शुरू होने के बाद यह ट्रंप का पहला दौरा होगा। उनका पिछला भारत दौरा 2020 में हुआ था, जब पूरे देश में नमस्ते ट्रंप बैनर के साथ उनका स्वागत किया गया था। नई दिल्ली और वॉशिंगटन के बीच तनाव के बावजूद, ट्रंप ने इसे

ज्यादा अहमियत नहीं दी और कहा कि जब तक वह राष्ट्रपति हैं, भारत को "व्हाइट हाउस में एक बहुत अच्छा दोस्त मिलेगा। ट्रंप का ट्रैक्टर को नजरअंदाज करना अगस्त 2025 में, राष्ट्रपति ट्रंप नई दिल्ली में होने वाले ट्रैक्टर समिट में शामिल होने के लिए भारत आने वाले थे। लेकिन, ट्रंप ने भारत पर जो 50 प्रतिशत टैरिफ दर लगाने की घोषणा की, उससे दोनों देशों के बीच तनाव पैदा हो गया। इसके अलावा, मई में भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य टकराव हुआ था, जो ट्रंप के मुताबिक उनकी वजह से ही पूर्ण युद्ध में नहीं बदला। जहां पाकिस्तान ने भारत के साथ संघर्ष-विराम (सीजफायर) कराने में ट्रंप की भूमिका की खुलकर तारीफ की है, वहीं नई दिल्ली का कहना है कि इसमें किसी तीसरे पक्ष की कोई

देश में नमस्ते ट्रंप बैनर के साथ उनका स्वागत किया गया था.......

अगर व्हाइट हाउस भारत दौरे की घोषणा करता है, तो 2025 में अपना दूसरा कार्यकाल शुरू होने के बाद यह ट्रंप का पहला दौरा होगा। उनका पिछला भारत दौरा 2020 में हुआ था, जब पूरे देश में नमस्ते ट्रंप बैनर के साथ उनका स्वागत किया गया था।

भूमिका नहीं थी। संघर्ष-विराम में वॉशिंगटन की भूमिका पर भारत के बयान और पीएम मोदी के रुख से ट्रंप नाराज हो गए थे, जिसके बाद उनका ट्रैक्टर समिट का दौरा रद्द कर दिया गया। 'द न्यूयॉर्क टाइम्स' की 2025 की एक रिपोर्ट, जिसका शीर्षक 'नोबेल पुरस्कार और एक तनावपूर्ण फोन कॉलः कैसे ट्रंप-मोदी के रिश्ते बिगड़े' था, के अनुसार ट्रंप ने कई वजहों से भारत का दौरा रद्द कर दिया था। लेकिन इनमें सबसे अहम वजह 'ऑपरेशन सिंदूर' और पाकिस्तान के साथ संघर्ष-विराम से जुड़ी थी; ये सभी अमेरिकी राष्ट्रपति की नोबेल शांति पुरस्कार पाने की कोशिश का हिस्सा थे। भारत-अमेरिका संबंधों में तनाव की क्या वजह थी? इसकी शुरूआत भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर (युद्धविराम) से हुई, जिसके रुकने का श्रेय ट्रंप ने खुद को दिया। केंद्र सरकार की ओर से इस बयान पर कोई प्रतिक्रिया या पुष्टि न होने के बाद, संबंधों को तब और झटका लगा जब अमेरिकी राष्ट्रपति ने अप्रैल 2025 में 'लिबरेशन डे' (मुक्ति दिवस) पहल की घोषणा की और भारत पर 25% का शुल्क (लेवी) लगा दिया, साथ ही उसे टैरिफ का महाराजा भी कहा। रूस से तेल खरीदने और नई दिल्ली पर यूक्रेन में पुतिन के युद्ध को बढ़ावा देने का आरोप लगाते हुए भारत पर अतिरिक्त 25% टैरिफ लगाया गया। इस तरह भारत पर कुल शुल्क बढ़कर 50% हो गया, जिससे वह ब्राजील और चीन के साथ उन देशों की सूची में शामिल हो गया जिन पर सबसे ज्यादा शुल्क लगाया गया था।

नित्यानंद राय का बड़ा दावा: भारत अब नक्सल-मुक्त, आंतरिक सुरक्षा की ऐतिहासिक जीत

नई दिल्ली एजेंसी: केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने गुरुवार को राष्ट्रीय सुरक्षा और वैश्विक स्तर पर पहचान बनाने की दिशा में भारत की बदलाव लाने वाली यात्रा पर प्रकाश डाला। गया के सर्किट हाउस में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, मंत्री ने घोषणा की कि भारत ने सफलतापूर्वक नक्सलवाद को खत्म कर दिया है, जो आंतरिक सुरक्षा के लिए एक ऐतिहासिक जीत है। आंतरिक शांति के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता पर बात करते हुए, मंत्री राय ने कहा कि अप्रैल 2026 तक भारत पूरी तरह से नक्सलवाद-मुक्त हो गया है। राय ने बताया कि यह उपलब्धि उग्रवाद के खिलाफ लगातार अपनाई गई 'जीरो-टॉलरेंस' रणनीति का नतीजा है। मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि सरकार की

मजबूत राष्ट्रीय सुरक्षा नीति को देश की सैन्य क्षमताओं में अभूतपूर्व निवेश का समर्थन प्राप्त है। उन्होंने कहा कि भारत का रक्षा बजट ङ्2.5 लाख करोड़ से बढ़कर ङ्8 लाख करोड़ हो गया है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इस निवेश से सेना को आधुनिक बनाने और देश में ही हथियार बनाने (स्वदेशी मैन्युफैक्चरिंग) को बढ़ावा मिला है, साथ ही देश बदलती वैश्विक सुरक्षा चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार हुआ है। अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत के बढ़ते प्रभाव का ज़िक्र करते हुए राय ने कहा कि दुनिया अब भारत को एक अहम फैसला लेने वाले देश के तौर पर देखती है। वैश्विक कूटनीतिक माहौल का ज़िक्र करते हुए उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय नेता प्रधानमंत्री मोदी के मजबूत और निर्णायक नेतृत्व को तेजी से पहचान रहे हैं। मंत्री ने कहा कि अभी कल ही अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि 'मोदी मजबूत हैं।' यह इस बात का सबूत है कि आज दुनिया के बड़े फैसले प्रधानमंत्री मोदी की भागीदारी और सहयोग से लिए जा रहे हैं। मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत ने दुनिया में एक मजबूत पहचान बनाई है, और इसकी नीतियां गरीबों, किसानों, युवाओं और महिलाओं के कल्याण और सशक्तिकरण पर केंद्रित हैं। राय ने बताया कि पिछले 12 साल भारत के लिए बदलाव लाने वाले रहे हैं। उन्होंने कहा कि सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के मंत्र ने भारत को दुनिया की प्रमुख आर्थिक ताकतों में मजबूती से स्थापित किया है।

तमिलनाडु में बीजेपी का टीवीके सरकार पर हल्ला बोल, बिगड़ती कानून एवं व्यवस्था को लेकर बड़ा प्रोटेस्ट

नई दिल्ली एजेंसी: चेन्नई में तमिलनाडु भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने टीवीके के नेतृत्व वाली राज्य सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शन में महिलाओं और बच्चों के खिलाफ यौन उत्पीड़न, बच्चों के खिलाफ अपराध और बिगड़ती कानून-व्यवस्था की निंदा की गई। इस विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष नैनार नागेंद्रन ने किया। इसमें तमिलनाडु बीजेपी के प्रभारी अरविंद मेनन, वरिष्ठ नेता तमिलिसाई सुंदरराजन, राष्ट्रीय अल्पसंख्यक विंग के सचिव वेल्लोर इब्राहिम, राज्य के उपाध्यक्ष, राज्य सचिव, चेन्नई जिला अध्यक्ष, पार्टी पदाधिकारी और आम जनता शामिल हुई। प्रदर्शनकारियों ने तख्तियां उठाई थीं और अपने मुंह पर काले कपड़े

बांधे थे, साथ ही वे 'तमिलगा वेट्री कझगम' (टीवीके) के नेतृत्व वाली सरकार के खिलाफ नारे लगा रहे थे। प्रदर्शन के दौरान बोलते हुए, बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष नैनार नागेंद्रन ने कहा, "यह प्रदर्शन राजनीतिक कारणों से नहीं, बल्कि महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आयोजित किया गया है। गुमिदिपुंडी में, एक अपराधी ने एक छोटे बच्चे को बेरहमी से प्रताड़ित किया और उसकी हत्या कर दी; यह घटना इतनी भयानक थी कि उसका वर्णन नहीं किया जा सकता। ऐसी घटनाओं का कारण गांजा और नशीले पदार्थों का खतरा है।" पिछली डीएमके सरकार और मौजूदा टीवीके सरकार की तुलना करते हुए उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री अभी भी अपनी नींद से नहीं जागे हैं। उन्होंने आगे कहा, "पिछली डीएमके सरकार और मौजूदा टीवीके सरकार में कोई अंतर नहीं है। मुख्यमंत्री अभी भी अपनी नींद से नहीं जागे हैं। उन्हें अभी भी इस बात का सदमा है कि वे चुनाव कैसे जीत गए। कोयंबटूर के पास, एक 10 साल के बच्चे का यौन उत्पीड़न किया गया, और मंत्रियों के पीड़ित से मिलने के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं की गई। उन्होंने आगे कहा कि टीवीके सरकार के तहत महिलाओं को शारीरिक और मानसिक रूप से यौन हिंसा का शिकार होना पड़ रहा है, और इसका कारण नशीले पदार्थों का सेवन है। उन्होंने आगे कहा कि हम यह नहीं कह रहे हैं कि मुख्यमंत्री को सिर्फ. इसी वजह से इस्तीफा दे देना चाहिए। हमारा कहना है कि अगर वह इन घटनाओं की निंदा करने और उनके खिलाफ कार्रवाई करने में नाकाम रहते हैं

राहुल गांधी का छात्रों से आह्वान: 'छात्रों की राय' से जुड़कर शिक्षा-रोजगार पर उठाएं आवाज

नई दिल्ली एजेंसी: कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को छात्रों और नौकरी चाहने वालों से हाल ही में शुरू किए गए 'छात्रों की गूंज' अभियान से जुड़ने की अपील की। उन्होंने कहा कि इस पहल का मकसद शिक्षा, परीक्षाओं और रोजगार से जुड़े उनके मुद्दों को सीधे सरकार तक पहुंचाना है। पर एक पोस्ट में गांधी ने हिंदी में लिखा कि अगर आपने पेपर लीक, परीक्षा में धोखाधड़ी या बहुत ज्यादा फीस का दर्द सहा है। अगर इस सिस्टम ने आपके सपने तोड़ दिए हैं। अगर आपके परिवार ने आपकी पढ़ाई में अपनी ज़िंदगी भर की कमाई लगा दी है। तो सुनिए: स्टूडेंट्स इको आपकी आवाज है। उन्होंने इस मुहिम को सिर्फ. एक मुहिम से कहीं ज्यादा बताया और इसे सरकार के सामने सस्ती शिक्षा, निष्पक्ष परीक्षाओं और सम्मानजनक रोजगार से जुड़ी माँगें उठाने का एक मंच कहा। गांधी ने

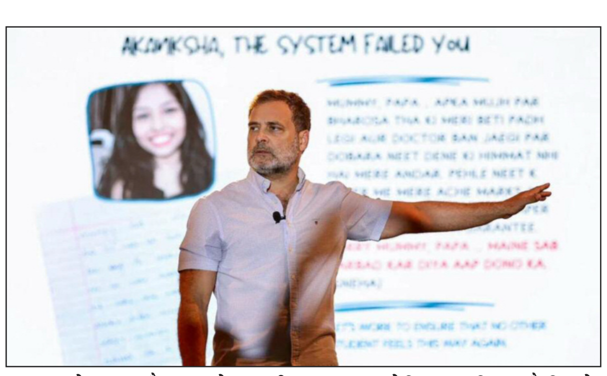

सुझाव देकर और इससे जुड़ी याचिका पर हस्ताक्षर करके इसमें शामिल होने की अपील की और जोर देते हुए कहा कि आपका एक हस्ताक्षर इस लड़ाई को मजबूत करेगा। जितने ज्यादा नाम होंगे, आवाज उतनी ही बुलंद होगी। गांधी द्वारा शेयर की गई कैंपेन की जानकारी के अनुसार, प्रतिभागी अपनी जानकारी देकर, सुझाव शेयर करके और पिटीशन पर साइन करके इसमें शामिल हो सकते हैं। यह अभियान कांग्रेस पार्टी की उस व्यापक कोशिश का हिस्सा है जिसके तहत छात्रों और नौकरी चाहने वालों से जुड़े मुद्दों–जैसे परीक्षा से जुड़े विवाद, भर्ती में अनियमितताएं और पढ़ाई का खर्च–को उजागर किया जा रहा है। इससे पहले, कांग्रेस ने भारत की शिक्षा व्यवस्था को लेकर "छात्रों की गूंज" नाम से एक देशव्यापी अभियान की घोषणा की थी। इस पहल में देश भर में और संसद के भीतर विरोध प्रदर्शन, लोगों तक पहुँचने के कार्यक्रम और चचाएँ शामिल होंगी।

शिवसेना यूबीटी में 'बगावत' पर एक्शन! 6 एमपी को कारण बताओ नोटिस, किसका होगा 'खेला'?

मुंबई एजेंसी: शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) ने गुरुवार को उन सांसदों (एमपी) को कारण बताओ नोटिस जारी किया जो संसदीय दल की एक अहम बैठक में शामिल नहीं हुए थे। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब अटकलें लगाई जा रही हैं कि शिवसेना (यूबीटी) के कुछ सांसद पार्टी छोड़कर शिवसेना में शामिल हो सकते हैं। बैठक के बाद पत्रकारों से बात करते हुए पार्टी सांसद अनिल देसाई ने कहा कि बैठक में शामिल न होने वाले सांसदों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू की गई है और अनुपस्थित रहने वाले सभी सांसदों को कारण बताओ नोटिस जारी कर उनसे गैर-हाजिरी का कारण पूछा गया है। देसाई ने कहा कि बैठक अभी खत्म हुई है, आज ही कारण बताओ नोटिस भेजा गया है। जब उनसे पूछा गया कि बैठक में शामिल न होने वालों के खिलाफ किस तरह की कार्रवाई की जाएगी, तो उन्होंने कहा कि कार्रवाई यही है: कारण बताओ नोटिस। उनसे पूछा जाएगा कि वे क्यों नहीं आए। जो लोग नहीं आए, उन सभी को नोटिस दिया जाएगा। इस बात पर जोर देते हुए कि पार्टी सभी गैर-मौजूद सांसदों से जवाब मांगेगी, देसाई ने कहा, "हां, सभी को नोटिस भेजा जाएगा।" गैर-मौजूद सांसदों से खास तौर पर क्या पूछा जाएगा, इस पर शिवसेना (यूबीटी) नेता ने कहा कि सवाल कुछ ऐसे होंगे: आपको जानकारी दी गई थी, आपको मैसेज भेजा गया था, आपको व्हाट्सएप किया गया था, और आपको वह मिला भी था। फिर भी आपने यह नहीं बताया कि आप आ रहे हैं या नहीं, इसलिए आपकी गैर-मौजूदगी को इसी नजरिए से देखा जाएगा।"

एक तरफ टीएमसी में बगावत, दूसरी ओर कोलकाता में हॉकर मार्च, क्या है ममता बनर्जी का सियासी गेम?

नई दिल्ली एजेंसी: तृणमूल कांग्रेस की चेयरपर्सन और पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कोलकाता के धर्मतल्ला में हॉकरों को कथित तौर पर गैर-कानूनी तरीके से हटाए जाने के विरोध में एक मार्च में हिस्सा लिया। यह विरोध मार्च पहले से तय नहीं था और पूर्व मुख्यमंत्री ने प्रशासन को अपने प्लान के बारे में पहले से कोई जानकारी नहीं दी थी। बनर्जी के साथ टीएमसी विधायक कुणाल घोष और पूर्व सांसद डोला सेन भी मौजूद थे। टीएमसी चेयरपर्सन सबसे पहले एस्प्लेनेड पहुँचीं, जहाँ उन्हें देखने के लिए भारी भीड़ जमा हो गई, और फिर उन्होंने सुबोध मल्लिक स्क्वायर तक मार्च का नेतृत्व किया। पार्टी सदस्यों के अलावा, सैकड़ों प्रदर्शनकारी भी बनर्जी के साथ शामिल हुए। एएनआई समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, 7 जून को अतिक्रमण-विरोधी अभियान के तहत कई बुलडोजरों ने जादवपुर स्टेशन रोड पर बनी अस्थायी दुकानों

और हॉकर स्टॉलों को गिरा दिया। ममता बनर्जी ने फेरीवालों को हटाने के खिलाफ मार्च में हिस्सा क्यों लिया? बनर्जी का कहना है कि फेरीवालों को हटाने से पहले उनके पुनर्वास (फिर से बसाने) की व्यवस्था होनी चाहिए।

टीएमसी ने पूरे राज्य में फेरीवालों को हटाए जाने की कार्रवाई को "गैर-कानूनी, अन्यायपूर्ण और अमानवीय" बताया है। टीएमसी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि बंगाल के लोगों की गरिमा और आजीविका की रक्षा की जाएगी। पार्टी ने पोस्ट में कहा कि हमारी माननीय चेयरपर्सन ममता बनर्जी ने पार्टी नेताओं और समर्पित कार्यकताओं के साथ मिलकर, पूरे बंगाल में फेरीवालों को गैर-कानूनी, अन्यायपूर्ण और बेहद अमानवीय तरीके से हटाए जाने के खिलाफ एक शांतिपूर्ण विरोध मार्च का नेतृत्व किया। बंगाल के लोग हमेशा सबसे पहले रहे हैं। पार्टी ने कहा कि फेरीवालों की "गरिमा, आजीविका और अधिकारों की रक्षा पूरे पक्के इरादे के साथ की जाएगी और इस लड़ाई में कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी। पार्टी ने बीजेपी सरकार को "निर्दयी" बताया है

बांग्लादेशी घुसपैठिए के खिलाफ सबसे बड़ा एक्शन शुरू, देशभर में अलर्ट, बीएसएफ और पुलिस एक्शन में

असम एजेंसी: असम से लेकर गुजरात, पश्चिम बंगाल से लेकर गुरुग्राम तक जिस तरह अवैध बांग्लादेशी घुसपैठियों, दलालों और उन्हें संरक्षण देने वाले नेटवर्क के खिलाफ कार्रवाई तेज हुई है, उसने पूरे देश में हलचल मचा दी है। सबसे चौंकाने वाली घटना असम के कछार जिले में सामने आई, जहां भारतीय सीमा के भीतर से एक किसान को उठाकर बांग्लादेश ले जाया गया। इस घटना ने सीमा सुरक्षा और घुसपैठ के खतरनाक गठजोड़ को पूरी तरह उजागर कर दिया है। हम आपको बता दें कि दक्षिण असम के कछार जिले के किनारखाल इलाके में रहने वाले साठ वर्षीय किसान रंजीत दास मंगलवार सुबह अपने खेतों में काम करने गए थे। सीमा के पास मौजूद नो मैन्स लैंड में किसान रोज की तरह खेती और मवेशियों के लिए घास काटने पहुंचे थे। सुबह सीमा सुरक्षा बल ने निर्धारित समय पर फाटक खोला और किसान अंदर गए। लेकिन लौटते समय रंजीत दास को याद आया कि उनका सामान पीछे छूट गया है। वह उसे लेने वापस गए और तभी घात लगाए बैठे दो बांग्लादेशी घुसपैठियों ने सुरमा नदी पार कर भारतीय सीमा में प्रवेश किया, रंजीत दास को दबोचा और नाव में डालकर बांग्लादेश ले गए।

यह घटना केवल एक किसान के अपहरण की नहीं थी, बल्कि यह भारत की सीमा को चुनौती देने की खुली हिमाकत थी। करीब दस घंटे तक रंजीत दास को बांग्लादेश की सीमा के भीतर एक घर में बंधक बनाकर रखा गया। अपहरणकताओं ने उन पर हमला भी किया और कहा कि वे किसी पुराने विवाद का बदला

हम आपको बता दें कि दक्षिण असम के कछार जिले के किनारखाल इलाके में रहने वाले साठ वर्षीय किसान रंजीत दास मंगलवार सुबह अपने खेतों में काम करने गए थे। सीमा के पास मौजूद नो मैन्स लैंड में किसान रोज की तरह खेती और मवेशियों के लिए घास काटने पहुंचे थे।

लेने के लिए उन्हें उठा लाए हैं। बाद में सीमा सुरक्षा बल और बांग्लादेश सीमा रक्षक बल के बीच कई दौर की बैठकें हुईं, जिसके बाद रात सवा नौ बजे किसान को वापस सौंपा गया। स्थानीय विधायक कमलाख्या डे पुरकायस्थ ने साफ कहा कि मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने खुद दिल्ली तक समन्वय कर किसान की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित कराई। लेकिन सवाल यह है कि आखिर भारतीय सीमा के भीतर घुसकर किसी नागरिक का अपहरण करने की हिम्मत कहां से आई? देखा जाये तो इस प्रश्न का जवाब उन अवैध नेटवर्कों में छिपा है, जिन पर अब देशव्यापी शिकंजा कसना शुरू हुआ है। गुजरात में चलाया गया अभियान डेल्टा हंट हाल के वर्षों की सबसे बड़ी कार्रवाई माना जा रहा है। इस अभियान में पांच सौ से अधिक संदिग्ध अवैध बांग्लादेशी पकड़े गए। छह हजार से अधिक संदिग्ध मोबाइल संपर्कों का विश्लेषण किया गया, शहरों और ग्रामीण इलाकों में एक साथ छापेमारी हुई और उन लोगों की पहचान की गई जो घुसपैठियों को नौकरी, आश्रय और नकली दस्तावेज उपलब्ध करा रहे थे। यह केवल गिरफ्तारी नहीं, बल्कि पूरे नेटवर्क को तोड़ने की निर्णायक शुरूआत मानी जा रही है। पश्चिम बंगाल में भी स्थिति गंभीर बनी हुई है। वहां बनाए गए होल्डिंग सेंटरों में कई संदिग्ध बांग्लादेशी नागरिकों को रखा गया है।

संपादकीय

सुरक्षित सिरप

भारत में छोटे-मोटे रोगों के उपचार के लिये मेडिकल स्टोर से दवा लेकर खाने की लोगों में आदत पायी जाती है। यह जाने बगैर कि घरेलू नीम-हकीमी जान को खतरे में भी डाल सकती है। भारत तथा कई अन्य देशों में देश में बने सिरप के सेवन से बच्चों की मृत्यु से दवा उद्योग पर आंच आई थी। यही वजह है कि खांसी व अन्य दवाओं के सिरप की बिना डॉक्टर की पर्ची के बिक्री पर रोक लगाने का फैसला सरकार को लेना पड़ा है। निश्चय ही केंद्र सरकार द्वारा यह फैसला सही समय पर लिया गया जरूरी कदम कहा जा सकता है। निस्संदेह, सरकार के इस कदम को सार्वजनिक स्वास्थ्य से जुड़ी सुरक्षा को मजबूत करने की बड़ी कोशिश का हिस्सा माना जाना चाहिए। हाल की कुछ दुखद घटनाओं के घातक परिणामों के मद्देनजर लोगों को हर खांसी-जुकाम आदि छोटे-मोटे रोगों के लिये खुद दवा लेने की आदत से परहेज करना चाहिए। दरअसल, भारत में लंबे समय से ऐसी धारणा रही है कि ये सिरप आदि दवाइयां मौसमी बीमारियों के लिये नुकसान-रहित होती हैं। लेकिन पिछले कुछ समय में हुई दुखद घटनाओं ने इनके अंधाधुंध प्रयोग और दवा निर्माण से जुड़े कमजोर नियमन को ही उजागर किया है। सरकार को ये कदम अनेक दुखद घटनाओं के सामने आने के बाद उठाना पड़ा है, जब इन दवाओं के उत्पादन में गंभीर खामियां सामने आईं। कुछ समय पहले अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर आरोप लगाए गए थे कि गैम्बिया,उज्बेकिस्तान और कैमरून आदि देशों में दर्जनों बच्चों की मौत भारत में बने दूषित खांसी के सिरप के उपयोग से हुई थी। इतना ही नहीं, देश के भीतर भी दूषित दवाओं से जुड़ी मौतों की खबरों ने इन सिरपों की गुणवत्ता नियमन, परीक्षण और निगरानी पर गाहे-बगाहे सवाल उठाए हैं। निश्चित रूप से इन दुखद घटनाओं ने दुनिया भर में सस्ती दवाओं की आपूर्ति करने वाले भारत की प्रतिष्ठा को नुकसान ही पहुंचाया है। सरकार की हालिया पहल को इसी दिशा में उठाया गए कदम के रूप में देखना चाहिए।

चिंतन-मनन

श्रद्धा से मिलता है ज्ञान

एक बार बालक नचिकेता ने अपने पिता से कहा, आप ब्राह्मणों को जर्जर, कृशगात और अनुपयोगी गाय दान में दे रहे हैं। उन्होंने यह नहीं कहा कि ऐसा ठीक नहीं है परंतु पिता समझ गए कि यह मेरी निंदा कर रहा है, मेरा अनादर कर रहा है, मेरे कृत्य की भर्त्सना कर रहा है। नचिकेता ने पिता से कहा- शाछ्रा कहते हैं कि अच्छी वस्तु, अच्छी निधि तथा अच्छी संपदा का दान करना चाहिए। अगर आप दान ही कर रहे हैं तो मुझको किसे दान में देंगे ?

पिता को चुप लग गया लेकिन बालक नचिकेता बार- बार टोकने लगा- पिताजी ! आप मुझे किसे दान में देंगे ? आपने यह भी विचार किया होगा कि मुझे भी किसी को दान में देंगे। इस पर पिता ने प्रोध में कहा-मैं तुझे यमराज को दान में देता हूं। आज से तू यम की वस्तु हुआ। दान की गई वस्तु कभी ली नहीं जाती और कभी लौटाई नहीं जाती। अब तू मेरा नहीं रहा। चूंकि मैं तुझे दान कर चुका हूं इसलिए तू मेरे पास नहीं रहेगा।

बालक नचिकेता को यह बुरा नहीं लगा कि मेरे पिता ने मुझे कुछ कहा है। ऐसी श्रद्धा थी नचिकेता की अपने पिता के प्रति। यही श्रद्धा ज्ञानकारक बनी और नचिकेता को यमराज के द्वार पर लेकर गई। यमराज ने देखा कि यह सामान्य बालक नहीं, श्रद्धावान बालक था। जब हमारे पास श्रद्धा आती है तो वह हमें बाध्य करती है। गुरु के पास जो गुरुत्व है, साधु के पास जो साधुत्व है, संन्यासी के पास जो संन्यस्त है, गंगा के पास जो गंगत्व है,देवताओं के पास जो देवत्व है और भगवान के पास जो भगवत्ता है; उसके हम स्वाभाविक रूप से अधिकारी बन जाते हैं। श्रद्धावान व्यक्ति स्वाभाविक रूप से योग्यता रखता है चूंकि उसके पास तर्प नहीं होते। नचिकेता संकल्लित मन से यमराज की चौखट पर बैठ गया। यमराज ने कहा-तू तीन दिन से मेरे द्वार पर बैठा है, बड़ा हठी है। मांग क्या मांगना चाहता है ? इस पर बालक नचिकेता ने कहा-मैं मृत्यु का भेद जानने आया हूं। जन्म-मृत्यु क्या है, यह भेद मुझे बता दीजिए। यह सुनकर यमराज हतप्रभ हो गए। उन्होंने बालक नचिकेता के समक्ष ढेरों प्रलोभन रखते हुए कहा-तुम चप्रवर्ती सम्राट बनने, पृथ्वी पर प्रतिष्ठत और पूजित होने अथवा स्वर्ग की संपूर्ण संपदा प्राप्त करने का वर मांग लो। भला तुम्हारे इन प्रश्नों में क्या रखा है ? बालक नचिकेता ने कहा- महाराज ! मुझे यह सब कुछ नहीं चाहिए। मुझे वही चाहिए जिसके बारे में मैंने आपसे पूछा है। यमराज मजबूर हो गए। श्रद्धा उसे भी कहते हैं जिसके सामने जगत के सारे आकर्षण गौण हो जाएं। श्रद्धा का एक अर्थ यह भी है कि जागतिक आकर्षण गौण हो जाएं। श्रद्धा का एक अर्थ यह भी है कि जागतिक आकर्षण आपके सामने शिथिल हो जाएं। श्रद्धा के बल पर ही बालक नचिकेता ने सब कुछ प्राप्त कर लिया।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

बलात्कारियों का सम्मान करने वाला अद्भुत समाज

निर्मल रानी

सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश और भारतीय प्रेस परिषद के तत्कालीन अध्यक्ष जस्टिस मार्कंडेय काटजू ने दिसंबर 2012 में दिल्ली में एक सेमिनार के दौरान कहा था कि मैं कह सकता हूं कि नब्बे प्रतिशत भारतीय बेवकूफ होते हैं। उनके सिर में दिमाग नहीं होता। उन्हें आसानी से बेवकूफ बनाया जा सकता है, उन्हें धर्म के नाम पर शरारती तत्वों द्वारा आसानी से गुमराह किया जा सकता है। परन्तु अपने इस कथन के 12 वर्षों बाद यानी 2024 में जस्टिस काटजू ने मूर्खों के प्रतिशत में और इजाफा करते हुये कहा कि अब वे 95 प्रतिशत भारतीयों को मूर्ख कहते हैं क्योंकि भारत अब वास्तविक हिंदू राज्य बन गया है। जस्टिस काटजू के इस कथन को परखने के लिये यदि हम धर्म व अध्यात्म की ध्वजा बुलंद करने वालों की हक़ीकत को देखें तो यह हमें केवल मूर्ख या महामूर्ख ही नहीं लगते बल्कि अत्यंत निम्न स्तरीय सोच रखने वाले तथा सनातन धर्म,भारतीय समाज व पूरे देश को बदनाम करने वाले भी नजर आते हैं। मिसाल के तौर पर बलात्कारियों का सम्मान होते,उनका महिमामंडन होते व उनकी शोभा यात्रा निकलते कहीं नहीं देखा गया होगा। यह अद्भुत दृश्य केवल विश्वगुरु भारत के ही अद्भुत समाज में देखने को मिलेगा।

आज देश में कई स्वयंभू साधू संत बलात्कार व हत्या जैसे जुर्म में जेल में सजायें भुगतते देखे जा सकते हैं। देश की अदालतों ने गवाहों के बयान व साक्ष्यों के आधार पर ऐसे अलग अलग बलात्कारी बाबाओं को सजा सुनाने का साहस कर कानून की रक्षा करने का काम क्या है। परन्तु आश्चर्य है कि ऐसे धमार्चार्यों व स्वयंभू अध्यात्मवादियों की काली करतूतें जानने के बावजूद उनके भक्तजनों में उनके प्रति अभी भी मोह कम नहीं हुआ है। ऐसे लोग यही कहते नजर आएंगे कि हमारे गुरु जी को गलत फंसाया गया है। मर्द भक्तों की तो छोड़िये महिलाएं भी ऐसे बलात्कारी बाबाओं की भक्ति व उनके महिमामंडन में सबसे आगे नजर आती हैं। और अब तो संभवतः ऐसे बलात्कारी बाबाओं के महिमामंडन से ही प्रेरणा लेकर धार्मिकता का चोला पहने या धार्मिक संगठनों एवं धर्म के नाम पर अन्य रसूखदार बलात्कारियों की भी शोभा यात्रा निकाली जाने लगी है। बलात्कार की शिकार लड़की का धर्म देखकर बलात्कारियों की पैरवी की जाने लगी है। क्या ऐसा कर अपराधियों को प्रोत्साहित नहीं किया जा रहा है ?

3 मार्च 2002 की गुजरात अहमदाबाद के नजदीक रणधीकपुर गाँव में की वह भयानक घटना कौन भूल सकता है जिसमें मुस्लिम समाज की 21 वर्षीय युवती बिल्क़ीस बानो जोकि उस समय 5 महीने की गर्भवती भी थीं के साथ सामूहिक बलात्कार किया गया था ? बिलक़ीस बानो के परिवार के 14 सदस्यों की हत्या भी कर दी गई थी जिसमें बिलक़ीस की 3 वर्ष की मासूम बेटी भी शामिल थी । इस मामले में मुंबई में सीबीआई की विशेष अदालत ने 11 आरोपियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। बॉम्बे हाईकोर्ट ने हत्यारों बलात्कारियों की दोषसिद्धि को बरकरार रखा था । परन्तु गुजरात सरकार ने अपनी क्षमा नीति के तहत 11 दोषियों की रिहाई की मंजूरी दे दी और 15 अगस्त 2022 को ही दोषियों को रिहा कर दिया। अफसोस की बात यह कि इनकी रिहाई के बाद दोषियों का जेल के बाहर ही इनके समर्थकों द्वारा मिठाई खिलाकर स्वागत किया गया । जगह जगह मिठाई बांटी गयी व उनके जयकारे लगाकर उनका स्वागत किया गया । गुजरात के दाहोद ज़िले में तो वहां के लोगों ने दोषियों की शोभा यात्रा निकाली और बलात्कारियों हत्यारों का खुला समर्थन किया । आखिरकार 7 जनवरी 2024 को सुप्रीम कोर्ट ने गुजरात सरकार के दोषियों की समय पूर्व रिहाई के फैसले को पलट दिया और उन्हें जेल अधिकारियों के समक्ष आत्मसमर्पण करने का निर्देश दिया । गोया हत्यारों बलात्कारियों के साथ हमदर्दी जताने के चलते सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष गुजरात सरकार को नीचा देखना पड़ा।

इसी तरह कश्मीर के कठुआ में जनवरी 2018 में एक 8 वर्षीय मुस्लिम लड़की आसिफा बानो के साथ एक मंदिर के कमरे में पुजारी व उसके कई साथियों द्वारा सामूहिक बलात्कार किया गया था और उसकी हत्या कर लाश जंगलों में फेंक दी गयी थी। उस समय भी इन अपराधियों के समर्थन में हिंदूवादियों द्वारा तिरंगा यात्रा निकाली गई थी और भाजपा के दो मंत्रियों ने आरोपियों का समर्थन किया था और बलात्कारियों के समर्थन में होने वाले धरना प्रदर्शनों व रैलियों में हिस्सा लिया था जिससे उस समय बड़ा राजनैतिक बवाल खड़ा हुआ था। इस घटना ने पूरे देश को भावुक कर दिया था। आम आदमी से लेकर बॉलीवुड स्टार तक बच्ची को इंसाफ दिलाने के लिए सामने आए थे। बाद में अदालत ने फैसला सुनाते हुये इन्हीं 5 आरोपियों को दोषी ठहराते हुये जेल भेजा था। इसी तरह कई मामलों में जब किसी दलित लड़की के साथ किसी कथित उच्च जाति के लोगों द्वारा बलात्कार किया गया तो बलात्कारियों के पक्ष में उसके कथित उच्च समाज के लोग खड़े देखे गये।

14 सितंबर 2020 को हाथरस में एक दलित युवती के साथ हुआ सामूहिक दुष्कर्म एवं हत्याकाण्ड इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। उस समय यह घटना भी एक अत्यंत संवेदनशील और देशव्यापी चर्चा का विषय बन गयी थी।

और अब यही दुष्प्रवृति धर्म जाति से मुक्त होकर शायद आम बन चुकी है। गाजियाबाद के मुरादनगर में हिंदू युवा वाहिनी के निवर्तमान नगर अध्यक्ष सुशील प्रजापति जिसपर अगस्त 2025 में एक कानून की पढ़ाई पढ़ने वाली हिन्दू छात्रा के साथ रेप का आरोप था,जब लगभग 9 महीने जेल में रहने के बाद 17 मई 2026 को जमानत पर छूटा तो जेल से छूटते ही उसके समर्थकों ने बाकायदा उसकी शान में गाड़ियों से विजय जुलूस निकाला। और उसके समर्थन में नरेबाजियाँ कीं। समर्थकों ने उसे माला पहनाई और फूल बरसाए। उसे कंधे पर बैठा लिया गया। उसके समर्थक वी साइन दिखाते और घटनाक्रम को मोबाइल में रिकॉर्ड करते नजर आए। बाद में इस शर्मनाक घटना की सर्वस्व निंदा होने पर पुलिस ने जुलूस निकालने पर आरोपी और उसके समर्थकों पर मामला दर्ज किया। इस घटना ने भी उत्तर प्रदेश में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर बड़ा राजनीतिक सवाल खड़ा कर दिया। इस घटना के बाद सोशल मीडिया पर राज्य में भाजपा का सहयोगी सत्तासीन संगठन हिंदू युवा वाहिनी की नैतिकता और बहनों की सुरक्षा के दावे पर सवाल उठे थे। ऐसे दुर्भाग्यपूर्ण वातावरण में पूरे देश के लिये खासकर देश की मां बहनों के लिये यह सोचना अनिवार्य हो गया है कि हत्यारों व बलात्कारियों के बहिष्कार करने के बजाये आखिर इन का सम्मान करने वाला हम कैसा अद्भुत समाज तैयार कर रहे हैं।

यह लेखिका के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है

एआई तकनीक बदल रही रोजगार की दुनियां

अंकित जैन

सर्विस सेक्टर बनेगा नई अर्थव्यवस्था का आधार...

भारत की अर्थव्यवस्था एक बड़े परिवर्तन के दौर से गुजर रही है। कृषि प्रधान अर्थव्यवस्था से औद्योगिक और सेवा आधारित अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ चुके भारत में, अब कृत्रिम बुद्धिमत्ता (आर्टिफिशियल इंटेलीजेंसी-एआई) नई आर्थिक क्रांति का आधार बनती दिखाई दे रही है। आने वाले दो से तीन वर्षों में एआई तकनीक का प्रभाव रोजगार, शिक्षा, उद्योग, व्यापार और प्रशासन के लगभग हर क्षेत्र में दिखाई देगा। विशेषज्ञों का मानना है, भारत की आर्थिक प्रगति में सर्विस सेक्टर की भूमिका और अधिक बढ़ेगी तथा रोजगार का बड़ा हिस्सा एआई समर्थित सेवाओं से जुड़ा होगा।

आज बैंकिंग, स्वास्थ्य, शिक्षा, परिवहन, ई-कॉमर्स, मीडिया, कृषि और विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में एआई आधारित उपकरणों का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है। पहले जिन कार्यों को करने के लिए बड़ी संख्या में कर्मचारियों की आवश्यकता होती थी, अब उनमें से कई कार्य स्वचालित उपकरणों के द्वारा किए जा रहे हैं। इसका अर्थ यह नहीं है कि रोजगार समाप्त हो जाएंगे, बल्कि रोजगार का स्वरूप बदल जाएगा। पारंपरिक कार्यों की जगह ऐसे लोगों की मांग बढ़ेगी जो एआई आधारित तकनीक में कार्य का संचालन, रख-रखाव, विश्लेषण और प्रबंधन कर सकें।

भारत में बड़ी संख्या में एआई आधारित मशीनें, रोबोटिक उपकरण, स्मार्ट सेंसर, स्वचालित उत्पादन प्रणाली और डिजिटल सेवा से संबंधित उपकरण आयात किए जाएंगे। इन उपकरणों के संचालन, मरम्मत, निगरानी, डेटा विश्लेषण और तकनीकी सहायता के लिए प्रशिक्षित मानव संसाधन की आवश्यकता होगी। परिणामस्वरूप सर्विस सेक्टर में नए प्रकार की नौकरियां पैदा होंगी। तकनीकी सहायता विशेषज्ञ, एआई ऑपरेटर, डेटा विश्लेषक, डिजिटल सलाहकार, साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ और स्मार्ट सिस्टम प्रबंधक जैसे पदों की मांग लगातार बढ़ेगी।

शिक्षा क्षेत्र में भी व्यापक बदलाव

शिक्षा क्षेत्र में भी व्यापक बदलाव दिखाई दे रहे हैं। लंबे समय तक डिग्री आधारित शिक्षा को रोजगार का आधार माना जाता रहा है। अब उद्योग जगत सहित सभी क्षेत्रों में कौशल आधारित मानव संसाधन को अधिक महत्व मिल रहा है। किसी शैक्षणिक संस्थान से केवल डिग्री प्राप्त कर लेना पर्याप्त नहीं होगा, बल्कि किसी व्यक्ति की वास्तविक उपयोगिता इस बात से तय होगी, वह अपने कार्यक्षेत्र में एआई आधारित उपकरणों और तकनीकों का कितना प्रभावी उपयोग अपने कार्य में कर सकता है। यही कारण है कि तकनीकी प्रशिक्षण, अल्पकालिक कौशल पाठ्यक्रम, डिजिटल साक्षरता और व्यावहारिक शिक्षा का महत्व लगातार बढ़ रहा है। रोजगार और नौकरी में वही सफल होंगे जो अपने कार्यों में जिम्मेदारी के साथ दक्ष होंगे।

असंगठित क्षेत्र, जो भारत की अर्थव्यवस्था का सबसे बड़ा रोजगार प्रदाता माना जाता है। वह भी इस परिवर्तन से अछूता नहीं रहेगा। छोटे दुकानदार, कुटीर उद्योग, परिवहन सेवाएं, कृषि आधारित व्यवसाय, स्थानीय सेवा प्रदाता और स्वरोजगार से जुड़े लोग भी एआई आधारित डिजिटल उपकरणों का उपयोग बहुतायत में करने लगेंगे। ऑनलाइन भुगतान, स्मार्ट लेखांकन, डिजिटल विपणन, ग्राहक प्रबंधन और स्वचालित व्यावसायिक प्रणालियां असंगठित क्षेत्र की कार्यशैली को बदलाव लाएंगी। हालांकि इस क्षेत्र के सटीक आर्थिक आंकड़े उपलब्ध नहीं होने के कारण इसके वास्तविक प्रभाव का अनुमान लगाना कठिन है। फिर भी स्पष्ट है, कि एआई का विस्तार हर क्षेत्र में तेजी से होगा।

एआई तकनीकि के तरह-तरह के उपकरण घरों में बहुतायत से बढ़ेंगे

भारत जैसे युवा देश के लिए यह परिवर्तन अवसर और चुनौती दोनों लेकर आया है। जिन लोगों के पास नई तकनीकों को सीखने और अपनाने की क्षमता होगी, उनके लिए रोजगार के नए अवसर भारत सहित दुनिया के अन्य देशों में भी खुलेंगे। भारत सबसे बड़ी ययुवा आबादी वाला देश है। सर्विस सेक्टर में सारी दुनिया में दक्ष व्यक्तियों की मांग बढ़ेगी। दूसरी ओर, जो लोग तकनीकी बदलावों के अनुरूप स्वयं को विकसित नहीं कर पाएंगे, उनके लिए प्रतिस्पर्धा कठिन हो जाएगी। इसलिए सरकार, उद्योग और शैक्षणिक संस्थानों को मिलकर कौशल विकास पर विशेष ध्यान देना होगा।

आर्थिक दृष्टि से देखा जाए तो सेवा क्षेत्र में भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में सबसे बड़ा योगदान है। एआई आधारित तकनीकी के विस्तार के साथ बैंकिंग, स्वास्थ्य सेवाएं, कृषि, शिक्षा, पर्यटन, सूचना प्रौद्योगिकी, लॉजिस्टिक्स, ई-गवर्नेंस और डिजिटल व्यापार जैसे क्षेत्रों में तेज वृद्धि की संभावना है। इससे सेवा क्षेत्र की हिस्सेदारी तेजी से बढ़ेगी। आने वाले वर्षों में रोजगार की परिभाषा भी बदलती दिखाई देगी। स्थायी नौकरी के साथ-साथ फ्रीलांस कार्य, डिजिटल सेवाएं, ऑनलाइन परामर्श, दूरस्थ कार्य (रिमोट वर्क) और परियोजना आधारित रोजगार के अवसर बढ़ेगें। ऐसे वातावरण में व्यक्ति की सफलता उसकी डिग्री से अधिक उसके कौशल, तकनीकी दक्षता और निरंतर सीखने की क्षमता पर निर्भर करेगी।

कुल मिलाकर, एआई तकनीक भारत के रोजगार और बाजार को पुनर्परिभाषित कर रही है। यह परिवर्तन केवल मशीनों का विस्तार नहीं, बल्कि मानव संसाधन की नई भूमिका का निर्माण है। यदि भारत समय रहते अपने युवाओं को एआई और डिजिटल कौशल से लैस कर पाता है, तो आने वाले वर्षों में सर्विस सेक्टर न केवल अर्थव्यवस्था का सबसे बड़ा स्तंभ बनेगा, बल्कि करोड़ों लोगों के लिए नए रोजगार और उद्यमिता के अवसर भी पैदा करेगा। भारत की अगली आर्थिक छलांग संभवतः एआई संचालित सेवा, अर्थव्यवस्था में ही दिखाई देगी। स्मार्ट फोन का उपयोग भारत का युवा कर रहा है। स्मार्ट फोन और एआई तकनीक की सहायता से रोजगार, व्यापार एवं सर्विस क्षेत्र में आर्थिक अवसर तेजी के साथ बढ़ेंगे। भारतीय विद्याभवन ने एआई तकनीकि पर सर्टिफिकेट एवं डिग्री कोर्स संचालित किये जा रहे हैं।

विश्व शांति एवं संतुलन के लिए आत्ममंथन हो जी-7 बैठक में

फ्रांस में आयोजित जी-7 शिखर सम्मेलन पर इस समय पूरी दुनिया की निगाहें टिकी हुई हैं। वैश्विक अर्थव्यवस्था, अंतरराष्ट्रीय राजनीति, व्यापार, जलवायु परिवर्तन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, ऊर्जा सुरक्षा और युद्ध जैसे अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा के लिए दुनिया की सात प्रमुख विकसित अर्थव्यवस्थाओं का यह मंच एकत्रित हुआ है। ऐसे समय में यह प्रश्न स्वाभाविक रूप से उठता है कि क्या जी-7 आज भी उतना ही प्रासंगिक और प्रभावशाली है, जितना उसकी स्थापना के समय था? क्या यह संगठन वास्तव में वैश्विक समस्याओं के समाधान का मंच बन पाया है अथवा यह कुछ शक्तिशाली देशों के हितों की रक्षा का माध्यम बनकर रह गया है? क्या इस मंच की प्रासंगिकता एवं उपयोगिता को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने स्वार्थों के चलते धुंधलाने में लगे हैं? विश्व में शांति स्थापना, संतुलित आर्थिक विकास और अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बने विभिन्न वैश्विक संगठनों की सफलता का मूल्यांकन उनके परिणामों से होता है, न कि उनके घोषणापत्रों से। दुर्भाग्य से जी-7 के संदर्भ में यह प्रश्न बार-बार उठता रहा है कि उसके निर्णयों और घोषणाओं का वास्तविक प्रभाव कितना है। पिछले वर्षों में रूस-यूक्रेन युद्ध, पश्चिम एशिया का संकट, वैश्विक आर्थिक अस्थिरता, जलवायु परिवर्तन की चुनौती और बढ़ती व्यापारिक प्रतिस्पर्धा जैसी समस्याओं के समाधान में यह संगठन अपेक्षित भूमिका निभाने में सफल नहीं दिखा है।

जी-7 में अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, इटली, कनाडा और जापान शामिल हैं, लेकिन व्यवहारिक रूप से इसकी दिशा और नीति निर्धारण पर अमेरिका का प्रभाव सबसे अधिक दिखाई देता है। विशेष रूप से राष्ट्रपति ट्रंप के नेतृत्व में अमेरिका की विदेश नीति ने सहयोग के बजाय दबाव और वर्चस्व की प्रवृत्ति को बढ़ावा दिया है। ट्रंप ने अपने सहयोगी देशों के साथ भी कई बार ऐसा व्यवहार किया है, मानो वे साझेदार नहीं बल्कि अमेरिकी नीतियों का अनुसरण करने वाले अनुयायी हों। टैरिफ युद्ध, व्यापारिक प्रतिबंध, रक्षा व्यय को लेकर दबाव और अनेक एकतरफा निर्णयों ने सदस्य देशों के बीच अविश्वास बढ़ाया है। विशेषतः ईरान- इजरायल युद्ध ने समूची दुनिया की अर्थव्यवस्था का धराशायी कर दिया और यह अब अमेरिका के कारण ही हुआ है क्योंकि पिछले कुछ महीनों में हिंसक संघर्ष ने पूरे क्षेत्र को एक व्यापक युद्ध की आशंका से भर दिया था। ईरान, इजरायल और इस क्षेत्र के अनेक गैर-राज्यीय समूह आमने-सामने खड़े दिखाई दे रहे थे। इस संघर्ष का सबसे महत्वपूर्ण केंद्र होर्मुज जलमार्ग बन गया था, जहां से विश्व के लगभग पांचवें हिस्से का तेल गुजरता है। जी-7 समूह के देश भी इसको लेकर बंटे हुए थे।

यही कारण है कि जी-7 के भीतर आज पहले जैसी एकजुटता दिखाई नहीं देती। फ्रांस, जर्मनी, कनाडा और जापान जैसे देश कई मुद्दों पर अमेरिका से अलग दृष्टिकोण रखते हैं। ईरान युद्ध ही नहीं, बल्कि जलवायु परिवर्तन के प्रश्न पर, वैश्विक व्यापार के नियमों पर और बहुपक्षीय संस्थाओं की भूमिका को लेकर भी मतभेद सामने आते रहे हैं। ऐसे में यह अपेक्षा करना कठिन है कि यह संगठन विश्व की जटिल समस्याओं के समाधान के लिए कोई सर्वमान्य और प्रभावी रणनीति प्रस्तुत कर पाएगा। इस सम्मेलन में भारत की उपस्थिति विशेष महत्व रखती है। भारत भले ही जी-7 का सदस्य न हो, लेकिन उसकी बढ़ती आर्थिक शक्ति, वैश्विक प्रतिष्ठा और विकासशील देशों के प्रतिनिधि स्वरूप ने उसे इस मंच का एक महत्वपूर्ण सहभागी बना दिया है। यह अवसर केवल भारत की उपलब्धियों को प्रस्तुत करने का नहीं, बल्कि उन विकासशील और निर्धन देशों की आकांक्षाओं को मुखर करने का भी है, जिनकी आवाज अक्सर वैश्विक निर्णय प्रक्रिया में दब जाती है।

आज अफ्रीका, एशिया और लैटिन अमेरिका के अनेक देश आर्थिक संकट, खाद्य असुरक्षा, जलवायु आपदाओं और ऋण के बोझ से जूझ रहे हैं। उनकी प्राथमिकताएं जी-7 देशों की प्राथमिकताओं से भिन्न हैं। इसलिए भारत को यह प्रश्न उठाना चाहिए कि क्या विश्व की दिशा तय करने का अधिकार केवल कुछ विकसित देशों तक सीमित रहना चाहिए? क्या वैश्विक शासन व्यवस्था को अधिक लोकतांत्रिक, समावेशी और प्रतिनिधिक नहीं बनाया जाना चाहिए? यह समय विकासशील देशों की आवाज को मजबूती देने और वैश्विक दक्षिण (ग्लोबल साउथ) की चिंताओं को केंद्र में लाने का है। जी-7 की प्रासंगिकता पर सबसे बड़ा प्रश्न उसकी प्रभावशीलता को लेकर है। यदि कोई संगठन विश्व की प्रमुख समस्याओं को रोकने या सुलझाने में सक्षम नहीं है, तो उसकी उपयोगिता स्वतः प्रश्नों के घेरे में आ जाती है। रूस-यूक्रेन युद्ध वर्षों से जारी है। पश्चिम एशिया लगातार अशांत बना हुआ है। आतंकवाद और कट्टरता की चुनौतियां बनी हुई हैं। जलवायु परिवर्तन के कारण पूरी दुनिया अभूतपूर्व संकटों का सामना कर रही है। इसके बावजूद वैश्विक नेतृत्व देने का दावा करने वाले मंचों की उपलब्धियां सीमित दिखाई देती हैं।

हाल के दिनों में अमेरिका और ईरान के बीच तनाव कम होने तथा शांति और सहमति की दिशा में बढ़ने की खबरों ने पूरी दुनिया को राहत दी है। लंबे समय से चल रहे तनाव के कारण पश्चिम एशिया में अस्थिरता बढ़ रही थी और इसका प्रभाव वैश्विक अर्थव्यवस्था पर भी पड़ रहा था। जैसे ही दोनों देशों के बीच समझौते और संवाद की संभावनाएं मजबूत हुईं, दुनिया भर के वित्तीय बाजारों में सकारात्मक संकेत दिखाई दिए। निवेशकों का विश्वास बढ़ा, ऊर्जा बाजार में स्थिरता के संकेत मिले और तेल की कीमतों में नरमी आई। इससे स्पष्ट है कि शांति केवल राजनीतिक उपलब्धि नहीं होती, बल्कि उसका सीधा संबंध वैश्विक आर्थिक स्थिरता और आम नागरिक के जीवन से भी होता है। लेकिन यहां एक महत्वपूर्ण प्रश्न उठता है। यदि संवाद और समझौता ही अंततः समाधान का मार्ग था, तो फिर टकराव और तनाव की स्थिति को इतना लंबा क्यों खींचा गया? आखिर राष्ट्रपति ट्रंप को समझौते और सहमति के लिए राजी होने की आवश्यकता क्यों महसूस हुई? क्या इसके पीछे आर्थिक दबाव थे? क्या वैश्विक बाजारों की चिंता थी? क्या अमेरिकी जनता की अपेक्षाएं थीं? या फिर यह स्वीकारोक्ति थी कि युद्ध और दबाव की राजनीति की भी सीमाएं होती हैं? ये ऐसे प्रश्न हैं जिन पर जी-7 जैसे मंचों में गंभीर चर्चा होनी चाहिए।

विश्व समुदाय केवल औपचारिक शांति समझौतों से संतुष्ट नहीं हो सकता। आवश्यकता इस बात की है कि शांति स्थायी, विश्वसनीय और न्यायपूर्ण हो। यदि समझौते केवल राजनीतिक छवि निर्माण, चुनावी लाभ या अस्थायी रणनीतिक उद्देश्यों के लिए किए जाते हैं, तो वे लंबे समय तक टिक नहीं पाते। जी-7 को यह सुनिश्चित करने की दिशा में पहल करनी चाहिए कि विश्व के विभिन्न क्षेत्रों में होने वाले शांति प्रयास वास्तविक हों और उनका उद्देश्य मानवता के हितों की रक्षा करना हो। आज वैश्विक व्यवस्था एक महत्वपूर्ण मोड़ पर खड़ी है। दुनिया अब एकध्रुवीय नहीं रही। भारत, चीन, ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका, इंडोनेशिया और अन्य उभरती अर्थव्यवस्थाएं वैश्विक शक्ति संतुलन को नया स्वरूप दे रही हैं। ऐसे समय में जी-7 को भी अपनी कार्यशैली और दृष्टिकोण में परिवर्तन करना होगा। यदि यह मंच केवल अमेरिकी नेतृत्व और पश्चिमी हितों का प्रतिनिधि बना रहेगा, तो इसकी स्वीकार्यता और प्रभावशीलता लगातार घटती जाएगी।

आवश्यकता इस बात की है कि जी-7 स्वयं को अधिक समावेशी बनाए, विकासशील देशों को निर्णय प्रक्रिया में अधिक स्थान दे, आर्थिक न्याय और जलवायु न्याय के प्रश्नों पर ठोस पहल करे तथा वैश्विक शांति को सर्वोच्च प्राथमिकता प्रदान करे। अमेरिका को भी यह समझना होगा कि नेतृत्व और प्रभुत्व में अंतर होता है। नेतृत्व विश्वास अर्जित करता है, जबकि प्रभुत्व विरोध को जन्म देता है। फ्रांस में हो रहा यह सम्मेलन केवल आर्थिक या राजनीतिक मुद्दों पर चर्चा का मंच नहीं होना चाहिए, बल्कि यह आत्ममंथन का अवसर भी बनना चाहिए। जी-7 को यह विचार करना होगा कि बदलती दुनिया में उसकी भूमिका क्या है और वह किस प्रकार अधिक उपयोगी, प्रभावी और विश्वसनीय बन सकता है। यदि यह संगठन अपने भीतर बढ़ते मतभेदों को दूर कर, समानता और सहयोग की भावना के साथ आगे बढ़ता है, तभी वह विश्व समुदाय की अपेक्षाओं पर खरा उतर सकेगा।

भारत को इस अवसर पर साहसपूर्वक यह संदेश देना चाहिए कि विश्व का भविष्य शक्ति-संतुलन, संवाद, सहयोग और समावेशिता में निहित है। किसी एक देश या समूह की प्रभुत्ववादी सोच से नहीं, बल्कि साझी जिम्मेदारी और साझा विकास की भावना से ही विश्व में स्थायी शांति, आर्थिक स्थिरता और मानव कल्याण का मार्ग प्रशस्त हो सकता है। यही इस समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है और यही जी-7 जैसे मंचों की वास्तविक कसौटी भी।

दहेज की मांग पूरी ना होने पर विवाहिता को दिया तलाक, तीन महीने तक बंधक बनाकर रखा, फिर घर से निकाला

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद की गजरौला कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में एक मुस्लिम विवाहिता महिला को दहेज के लिए प्रताड़ित करने,दहेज की मांग पूरी न होने पर तीन तलाक देने और तलाक के बाद 3 महीने तक घर में बंधक बनाकर रखने का मामला सामने आया हैं। इसके बाद पीड़ित महिला ने कोतवाली पहुंचकर आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्यवाही की मांग की है। बता दें कि पीड़ित सदब पुत्री इशाक द्वारा पुलिस को दी गई तहरीर के आधार पर बताया गया कि उसकी शादी वर्ष 2023 में नूर मोहम्मद पुत्र जाहिद निवासी ग्राम टांडा थाना रजबपुर जिला अमरोहा से हुई थी जिसमें सदब के पिता इशाक ने अपनी हैसियत के अनुसार सभी दान दहेज दिया था। शादी के कुछ महीनो बाद उसके ससुराल पक्ष के लोगों द्वारा एवं उसके पति के द्वारा उसे दहेज के लिए प्रताड़ित किया जाने लगा। उसके ससुराल पक्ष के लोगों द्वारा दहेज के लिए उसके साथ मारपीट की जाने लगी जिसे वह अपने परिवार की इज्जत की खातिर सहन करती रही। पीड़ित ने तहरीर में बताया है कि उसके ससुराल पक्ष के लोगों के द्वारा उससे 16 लाख रुपए की अतिरिक्त मांग की जा रही थी जिसके लिए वह आए दिन उसको प्रताड़ित करते थे और दहेज की मांग पूरी न होने पर उसे जान से मारने की धमकी देते थे। इसी बीच पीड़ित सदब को एक बेटी पैदा हुई इसके बाद उसके ससुराल वाले उसके और भी खिलाफ हो गए। इस पर पीड़ित सदब के पति ने उसको तीन तलाक दे दिए और 3 महीने तक अपने घर में बंधक बनाकर रखा। पीड़ित सदब ने तहरीर में यह भी बताया कि तलाक के बाद 3 महीने तक घर बंधक बनाने के बाद उसके देवर जान मोहम्मद ने हलाला के नाम पर उसके साथ रात्रि में जबरदस्ती की लेकिन उस रात पीड़ित सदब की मौके पर आंख खुली तो उसने शोर मचाना शुरू कर दिया और किसी तरह अपने आपको बचाती हुई ससुराल से अपने मायके पहुंची और सारा घटनाक्रम अपने घर वालों को बताया।

जिसके बाद उसके परिजन उसे गजरौला कोतवाली लेकर पहुंचे जहां उन्होंने आरोपियों के खिलाफ शिकायती पत्र देकर कानूनी कार्यवाही की मांग की है।इस मामले में थाना प्रभारी मनोज कुमार ने बताया कि मामला संज्ञान में आया है जांच पड़ताल कर उचित कार्रवाई की जाएगी।

करोड़ों की लागत से बना सीएचसी ढवारसी खुद हुआ बीमार, मरीजों का इलाज राम भरोसे

प्रभारी अस्पताल से नदारद, हेड पंप के पास भी फैली गंदगी

ढवारसी/अमरोहा (सब का सपना):- सरकार द्वारा करोड़ों रुपये खर्च कर बनाया गया यह अस्पताल खुद अपनी बदहाली पर आंसू बहा रहा है। जिस स्वास्थ्य केंद्र को क्षेत्र के हजारों लोगों को बेहतर इलाज देना चाहिए, वहां चारों तरफ गंदगी का अंबार लगा हुआ है। परिसर में झाड़-झंखाड़ उगे हैं, जगह-जगह कूड़ा-कचरा बिखरा पड़ा है। सबसे हैरानी की बात यह है कि सरकार द्वारा मरीजों और तीमारदारों के पीने के पानी के लिए लगाए गए हेड पंप के पास भी गंदगी पसरी हुई है, जिससे संक्रमण फैलने का खतरा लगातार बना हुआ है। जानकारी के अनुसार जनपद अमरोहा के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ढवारसी की स्थिति बेहद चिंताजनक है। हाल ही में सीएचसी ढवारसी के प्रभारी का ट्रांसफर किया गया था। उनके स्थान पर नया प्रभारी नियुक्त किया गया। लेकिन मिली जानकारी के अनुसार डॉक्टर नियमित रूप से अस्पताल नहीं पहुंच रहे हैं। प्रभारी की गैरहाजिरी के कारण पूरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र राम भरोसे चल रहा है। आसपास के दर्जनों गांवों के लोग इलाज के लिए इसी स्वास्थ्य केंद्र पर निर्भर हैं। लेकिन अस्पताल की बदहाल व्यवस्था के चलते मरीजों को भारी परेशानी उठानी पड़ रही है। चिकित्सकों की कमी और दुर्व्यवहार पूर्ण रवैया की वजह से मरीजों को मजबूरन निजी क्लीनिक या 15 किमी दूर सरकारी अस्पताल रहरा का रुख करना पड़ता है। आपात स्थिति में तो हालात और भी बदतर हो जाते हैं। ग्रामीणों का कहना है कि अस्पताल में न तो जरूरी दवाइयां उपलब्ध हैं और न ही जांच की सुविधा। इस पूरे मामले पर जब मुख्य चिकित्सा अधिकारी अमरोहा से बात की गई तो उन्होंने कहा कि मामला संज्ञान में आया है। सीएचसी प्रभारी को कारण बताओ नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण मांगा जाएगा कि वे नियमित रूप से अस्पताल क्यों नहीं पहुंच रहे। सीएमओ ने माना कि अस्पताल में स्टाफ की कमी है, लेकिन जल्द ही रिक्त पदों पर तैनाती कर स्टाफ की पूर्ति की जाएगी।

स्थानीय लोगों ने मांग है कि ढवारसी सीएचसी को मॉडल अस्पताल के रूप में विकसित किया जाए, ताकि क्षेत्र के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सकें। फिलहाल करोड़ों की बिल्डिंग होते हुए भी यह अस्पताल खुद 'इलाज' मांग रहा है।

मंडी धनौरा ब्लॉक परिसर में भाकियू शंकर का धरना प्रदर्शन,12 सूत्रीय ज्ञापन एसडीएम के प्रतिनिधि को सौंपा

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के मंडी धनौरा ब्लॉक परिसर में गुरुवार को भारतीय किसान यूनियन शंकर के किसानों ने एक विशाल धरना प्रदर्शन किया। यह धरना प्रदर्शन संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष के मार्गदर्शन एवं जिला अध्यक्ष के नेतृत्व में किसानों एवं आमजन की विभिन्न समस्याओं को लेकर आयोजित किया गया जिसमें क्षेत्र के सैकड़ों किसानों ने भागीदारी की। बता दें कि गुरुवार को आयोजित इस धरना-प्रदर्शन को संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी दिवाकर सिंह के मार्गदर्शन एवं संगठन के जिला अध्यक्ष चौधरी नेपाल सिंह के नेतृत्व में आयोजित किया गया। इस दौरान संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी दिवाकर सिंह ने कहा कि चीनी मिलों द्वारा गन्ना मूल्य का भुगतान न किए जाने पर नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने मांग की कि किसानों का बकाया गन्ना मूल्य 15 प्रतिशत ब्याज सहित तुरंत दिया जाए। उन्होंने मध्य गंगा नहर फेस-2 में पानी न छोड़े जाने का मुद्दा भी उठाया, जिससे सिंचाई विभाग की लापरवाही के कारण फसलों को नुकसान हो रहा है।जिला अध्यक्ष चौधरी नेमपाल सिंह ने उत्तर प्रदेश के किसानों को अन्य राज्यों की तरह 200 यूनिट मुफ्त बिजली देने की मांग की। जिला संरक्षक चौधरी धर्मवीर सिंह ने तहसील स्तर पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए कहा कि अंश निर्धारण प्रक्रिया पूरी न होने से किसानों की फर्म रजिस्ट्रियां अटकी हुई हैं।धरने में मध्य गंगा नहर फेस-2 में तत्काल पानी छोड़ने, किसान क्रेडिट कार्ड (ङउउ) की सीमा बढ़ाकर 5 लाख रुपये करने, छुट्टा गोवंश से फसलों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और चकबंदी विभाग में अनियमितताओं की जांच कराने की मांग भी की गई। इसके अतिरिक्त, फाजलपुर रेलवे क्रॉसिंग पर फोरलेन ओवरब्रिज और राष्ट्रीय राजमार्ग-9 के पास एक ट्रामा सेंटर के निर्माण की भी मांग की गई।धरने के समापन पर, संगठन के एक प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को संबोधित 12 सूत्रीय मांग पत्र उपजिलाधिकारी के प्रतिनिधि राजीव चौधरी को सौंपा। मौके पर मौजूद अधिकारियों ने कुछ समस्याओं के त्वरित समाधान का आश्वासन दिया। हालांकि, यूनियन के पदाधिकारियों ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगें जल्द पूरी नहीं हुईं, तो वे एक बड़े आंदोलन के लिए मजबूर होंगे।इस अवसर पर रामपाल सिंह, अनिल भटनागर, बबीता रानी, सुखबीर भगत, नरेश, पप्पू, सुरेंद्र सिंह, मोनू, चंद्रभान सैनी, त्रिलोक सिंह, गजराम चौहान, मनवीर सिंह, समरपाल सिंह, अनुज, हरप्रीत हैप्पी, प्रियंका भटनागर, गीता देवी, पूनम, रश्मि, राजबती, भावना, बलवीर सैनी, शीशपाल सैनी, सुंदर सिंह सहित बड़ी संख्या में किसान और यूनियन के सदस्य मौजूद रहे।

तीन दिवसीय कृषि मेले एवं सघन खेत बचाओ अभियान अंतर्गत प्राकृतिक खेती कार्यशाला का शुभारंभ

अमरोहा (सब का सपना):- विकास भवन परिसर में भारत सरकार के 12 वर्ष तथा प्रदेश सरकार के 9 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर विकसित कृषि संकल्प अभियान के अंतर्गत जनपद स्तरीय खरीफ उत्पादकता, गोष्ठी तथा नमामि गंगे योजना अन्तर्गत 3 दिवसीय कृषि मेले एवं सघन खेत बचाओ अभियान अंतर्गत प्राकृतिक खेती कार्यशाला का शुभारंभ प्रदेश मंत्री भाजपा बसंत त्यागी, शिक्षक विधायक हरिसिंह ढिल्लो, विधायक राजीव तरारा, उदयगिरि गोस्वामी जिलाध्यक्ष भारतीय जनता पार्टी और जिलाधिकारी डॉ0 नितिन गौड़ द्वारा किया गया। शासन के दिए गए निर्देशों के क्रम में उक्त कार्यक्रम विकास भवन परिसर में आगामी तीन दिनों तक चलाया जा रहा है। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के प्रचार प्रसार के स्टॉल लगाई गए हैं, जिसमें कृषि विभाग के प्राकृतिक खेती से संबंधित एफपीओ तथा जनपद के कृषकों के जैविक उत्पाद के स्टाल भी लगाए गए हैं। कार्यक्रम में मुख्य विकास अधिकारी अश्विनी मिश्रा सहित परियोजना निदेशक अमरोहा, जिला उद्यान अधिकारी अमरोहा, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी, अमरोहा एवं अन्य विभागों के जनपदीय अधिकारियों द्वारा भी प्रतिभाग किया गया तथा अपने अपने विभाग की विभिन्न योजनाओं से उपस्थित कृषकों को अवगत कराया गया। कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केन्द्र अमरोहा के प्रभारी अधिकारी एके मिश्रा सहित डॉक्टर शीशपाल सिंह एवं डॉ अमित तोमर एवं प्राकृतिक खेती के जनपद अमरोहा के प्रगतिशील किसान सुरेन्द्र त्यागी एवं प्रखंड बायो एनर्जी की डायरेक्टर हितेश चौधरी द्वारा भी कृषकों को प्राकृतिक खेती के लाभ के बारे में बताया गया। शिक्षक विधायक हरी सिंह ढिल्लों द्वारा वर्तमान सरकार की नीतियों के बारे में कृषकों को बताते हुए प्राकृतिक खेती को अपनाने के लिए आह्वान किया गया तथा प्राकृतिक उत्पादों से मानवीय जीवन पर होने वाले लाभ के बारे में उपस्थित कृषकों को बताया गया।

इसी प्रकार विधायक धनौरा, राजीव तरारा द्वारा भी कृषकों को प्राकृतिक खेती अपनाने के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी दी गई तथा इसके लाभों के संबंध में अवगत कराया गया।

जिलाध्यक्ष, भारतीय जनता पार्टी उदयगिरी गोस्वामी जी द्वारा भी कृषकों को प्राकृतिक खेती के बारे में बताया गया। प्राकृतिक खेती के मास्टर ट्रेनर एवं प्रगतिशील कृषक सुरेन्द्र त्यागी द्वारा बताया गया कि कि प्रकार उन्होंने प्राकृतिक खेती से राष्ट्रीय स्तर पर अपनी अलग ही पहचान बनाई है तथा किस प्रकार वह अनेक जगहों पर जाकर जनपद का नाम प्राकृतिक खेती में चमका रहे हैं तथा उपस्थित कृषकों को यह भी बताया कि वह प्राकृतिक खेती अपनाकर किस प्रकार अपना उत्पादन बढ़ा सकते हैं तथा अपनी आमदनी को दोगुना कर सकते हैं। कार्यक्रम में उप कृषि निदेशक महेंद्रपाल सिंह, जिला कृषि अधिकारी मनोज कुमार ने भी कृषकों से प्राकृतिक खेती को अपनाने का आह्वान किया तथा विभागीय योजनाओं के संबंध में जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम के अंत में मनोज कुमार जिला कृषि अधिकारी अमरोहा द्वारा प्राकृतिक खेती कार्यशाला एवं जनपदीय खरीफ गोष्ठी में प्रतिभाग करने वाले सभी कृषकों का आभार व्यक्त किया गया तथा कार्यकार्य मैं उपस्थित सभी का धन्यवाद व्यक्त किया गया।

रजबपुर क्षेत्र में दहेज उत्पीड़न का मामला,विवाहिता की शिकायत पर पुलिस ने तीन पर केस दर्ज कर शुरू की जांच

रजबपुर/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के थाना रजबपुर क्षेत्र में एक दहेज उत्पीड़न का मामला सामने आया है जिसके चलते ससुराल पक्ष के लोगों द्वारा विवाहिता के साथ मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में थाना पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर तीन लोगों पर मुकदमा दर्ज किया है और जांच पड़ताल शुरू कर दी है। बता दें कि इस ममले में जानकारी के मुताबिक ग्राम बादशाहपुर, थाना नौगावां सादात निवासी कुसुमलता पुत्री हरचरण सिंह ने पुलिस को बताया कि लगभग 18 वर्ष पूर्व उनका विवाह ग्राम बदौनियां, थाना रजबपुर निवासी महेश कुमार के साथ हुआ था। महेश कुमार की पहली पत्नी का निधन हो चुका था, जिससे उनके दो पुत्र दीपांशु और हिमांशु हैं। विवाहिता का आरोप है कि शादी में उनके मायके पक्ष ने दहेज दिया था, लेकिन पति और उनके पुत्र इससे संतुष्ट नहीं हुए।तहरीर के मुताबिक विवाह के बाद से ही आरोपी चार पहिया वाहन और 10 लाख रुपये नकद की मांग करने लगे। मांग पूरी न होने पर उन्हें कई बार प्रताड़ित किया गया और घर से निकाल दिया गया। आरोप है कि महेश कुमार शराब पीने के आदी हैं तथा नशे की हालत में अक्सर मारपीट, गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी देते थे।पीड़िता ने बताया कि बीते 15 मार्च को वह अपने कपड़े और जरूरी दस्तावेज लेने ससुराल पहुंची थीं। वहां पति महेश कुमार तथा उनके पुत्र दीपांशु और हिमांशु ने उनके साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट की। शोर सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और बीच-बचाव कर उन्हें बचाया। आरोप है कि जाते समय आरोपियों ने दोबारा गांव में आने पर उन्हें और उनके पुत्र को जान से मारने की धमकी दी।पुलिस ने पीड़िता की शिकायत के आधार पर 17 जून को पति महेश कुमार तथा उनके पुत्र दीपांशु और हिमांशु के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। थाना प्रभारी विकास कुमार सहरावत ने बताया कि पुलिस द्वारा मामले में वैधानिक कार्यवाही प्रचलित है।

हसनपुर में सपा का विशाल कार्यकर्ता सम्मेलन, महंगाई के खिलाफ पैदल मार्च निकाल एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

अखिलेश यादव के नेतृत्व में संगठन की मजबूती का दिया संदेश, पूर्व नगर अध्यक्ष बाबू कुरैशी रहे अध्यक्ष

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- गुरुवार को 42 विधानसभा हसनपुर के नगर स्थित कमाल पैलेस में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष माननीय अखिलेश यादव के नेतृत्व में विशाल कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने सहभागिता की। कार्यक्रम की अध्यक्षता समाजवादी पार्टी के पूर्व नगर अध्यक्ष बाबू कुरैशी ने की। सम्मेलन में समाजवादी पार्टी के समर्पित कार्यकताओं ने भारी संख्या में उपस्थित होकर संगठन की मजबूती और एकजुटता का परिचय दिया। वक्ताओं ने कहा कि समाजवादी पार्टी हमेशा आम जनता की आवाज बनकर उनके हक और अधिकारों की लड़ाई लड़ती रहेगी। पीडीए परिवार को मजबूत कर 2027 में प्रदेश में बदलाव लाने का संकल्प दोहराया गया। कार्यकर्ता सम्मेलन के उपरांत कमाल पैलेस से तहसील परिसर तक पैदल मार्च निकाला गया। इस दौरान कार्यकताओं ने प्रदेश में लगातार बढ़ रही महंगाई, गैस सिलेंडर, पेट्रोल, डीजल की कीमतों में वृद्धि, बेरोजगारी, खाद एवं यूरिया के बढ़ते दामों के विरोध में जमकर नारेबाजी की। तहसील पहुंचकर एसडीएम को ज्ञापन सौंपा गया और महंगाई पर अंकुश लगाने की मांग की गई। इस अवसर पर पूर्व ब्लाक प्रमुख निर्वेश देवी, शमशेर मुखिया चंदनपुर, राजकुमार प्रधान, चरन सिंह प्रधान, अजय पाल सिंह यादव प्रधान, भूरे सिंह खड़कवंशी, प्रकाश सिंह खड़कवंशी, नरेश खड़कवंशी, चंद्रपाल खड़कवंशी, नंदू सिंह खड़कवंशी, भोजराम सिंह खड़कवंशी पूर्व प्रधान, टिंकू गुर्जर, मुनशरीफ सैफी, अंसार प्रधान, इमरान प्रधान, रमेश प्रधान, राष्ट्रीय सदस्य मेहताब चौधरी, राजपाल सिंह चौहान, जाकिर प्रधान, पूर्व प्रधान रईस अहमद, दुष्यंत कुमार, प्रधान पति भूप सिंह, अमित कुमार यादव, पप्पू यादव, अल्ताफ सैफी, कामिल सैफी, राहुल सैफी, डॉक्टर रहीम सैफी, डॉक्टर रिहान चौधरी, शारिक अंसारी, अजमान, रूबी कौशल सपा नेता, अमित गुर्जर, डॉक्टर नाजिम अलवी, चौधरी इंशाल्लाह, जाकिर चौधरी, इकबाल सैफी, कविंद्र गुर्जर समेत समस्त सम्मानित समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

वक्ताओं ने कहा कि भाजपा सरकार हर मोर्चे पर विफल है। जनता महंगाई से त्रस्त है और युवा रोजगार के लिए भटक रहा है। सपा ही जनता को इस संकट से निकाल सकती है।

स्वनिधि महोत्सव का भव्य कार्यक्रम का आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद अमरोहा के विकास भवन में प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के अंतर्गत स्वनिधि महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य स्ट्रीट वेंडर्स को मुख्यधारा से जोड़ना, उनकी आजीविका को मजबूत करना और योजना के लाभार्थियों को प्रोत्साहित करना है।कार्यक्रम में डूडा विभाग अमरोहा के डिप्टी कलेक्टर एवं परियोजना अधिकारी मसीहा नज्म मुख्य रूप से उपस्थित रहे। उनके साथ सिटी मिशन मैनेजर सुरेंद्र कुमार दुबे, सीएलटीसी सचदेव कुमार, सामुदायिक आयोजक विशाल गर्ग एवं दीपक सहित कई अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।इस अवसर पर स्वनिधि योजना के लाभार्थी स्ट्रीट वेंडर्स को प्रोत्साहित किया गया। योजना के तहत दिए जा रहे ऋण, डिजिटल भुगतान, बीमा सुविधा और अन्य लाभों की जानकारी विस्तार से दी गई। अधिकारियों ने वेंडर्स से संवाद करते हुए उनकी समस्याओं को सुनने और उन्हें समाधान प्रदान करने का आश्वासन दिया।

मसीहा नज्म ने कहा कि स्वनिधि महोत्सव का मुख्य लक्ष्य छोटे दुकानदारों और फेरीवालों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है। उन्होंने बताया कि अमरोहा जनपद में योजना का अच्छा प्रतिसाद मिल रहा है और अधिक से अधिक पात्र व्यक्ति योजना से जुड़ें, इसके लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

सीए परीक्षा में सफल हुए मानस वार्ष्णेय, चंदौसी का बढ़ाया मान

चंदौसी/संभल (सब का सपना):- नगर के प्रतिष्ठित चश्मा व्यवसायी कुलदीप चश्मे वाले के सुपुत्र मानस वार्ष्णेय ने देश की सबसे कठिन और प्रतिष्ठित परीक्षाओं में शामिल चार्टर्ड अकाउंटेंट (CA) परीक्षा उत्तीर्ण कर चंदौसी और संभल जनपद का नाम रोशन किया है। मानस की सफलता की खबर मिलते ही परिवार, रिश्तेदारों, मित्रों और शुभचिंतकों में खुशी की लहर दौड़ गई। उनके आवास पर बधाई देने वालों का तांता लगा रहा और लोगों ने मिठाई खिलाकर अपनी खुशी का इजहार किया। मानस वार्ष्णेय ने अपनी सफलता का श्रेय माता अंजली वार्ष्णेय, पिता कुलदीप वार्ष्णेय, गुरुजनों के मार्गदर्शन तथा अपनी कड़ी मेहनत और निरंतर अभ्यास को दिया। उन्होंने कहा कि यदि लक्ष्य स्पष्ट हो और पूरी लगन से मेहनत की जाए तो कोई भी कठिन परीक्षा सफलतापूर्वक उत्तीर्ण की जा सकती है। इस उपलब्धि पर नगर के नागरिकों, व्यापारियों और समाज के लोगों ने मानस को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। व्यापारी नेता अनुज वार्ष्णेय अन्नू ने कहा कि मानस वार्ष्णेय की यह शानदार सफलता पूरे वार्ष्णेय समाज और क्षेत्र के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि मानस ने अपने माता-पिता का नाम रोशन करने के साथ-साथ नई पीढ़ी के लिए प्रेरणा प्रस्तुत की है। उन्होंने ईश्वर से प्रार्थना की कि मानस जीवन में आगे भी सफलता के नए कीर्तिमान स्थापित करें।

विकास प्रदर्शनी में यातायात पुलिस की पहल बनी आकर्षण का केंद्र, सड़क सुरक्षा का दिया संदेश

बहजोई/संभल (सब का सपना):- सरकार के सेवा, सुरक्षा एवं सुशासन के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में डीआर रिजॉर्ट, बहजोई में आयोजित विकास प्रदर्शनी में विभिन्न विभागों ने अपनी जनकल्याणकारी योजनाओं और उपलब्धियों पर आधारित स्टॉल लगाए। इस दौरान यातायात पुलिस का जागरूकता स्टॉल लोगों के आकर्षण का केंद्र बना। यातायात पुलिस द्वारा लगाए गए स्टॉल पर सड़क सुरक्षा से जुड़े उपकरण, सुरक्षा सामग्री तथा यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने वाली विभिन्न जानकारियां प्रदर्शित की गईं। स्टॉल के माध्यम से आमजन को हेलमेट, सीट बेल्ट, यातायात संकेतों और सुरक्षित वाहन संचालन के महत्व की जानकारी दी गई। प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए मुख्य अतिथि ने यातायात पुलिस स्टॉल का निरीक्षण किया और सड़क सुरक्षा के प्रति जनजागरूकता फैलाने तथा यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। उन्होंने यातायात प्रभारी जगरोशन सिंह के कार्यों की प्रशंसा करते हुए भविष्य में भी इसी प्रकार जनहित में कार्य करते रहने के लिए प्रेरित किया।

प्रदर्शनी में मौजूद अधिकारियों, कर्मचारियों एवं बड़ी संख्या में पहुंचे आगंतुकों ने भी यातायात पुलिस द्वारा प्रदर्शित उपकरणों और सड़क सुरक्षा संबंधी जानकारी में गहरी रुचि दिखाई तथा इस पहल को जनजागरूकता की दिशा में सराहनीय बताया।

श्रद्धा और सेवा भाव के साथ मनाया गया गुरु अर्जुन देव का शहीदी दिवस

श्रद्धालुओं ने गुरुद्वारा पहुंचकर गुरु साहिब को श्रद्धासुमन अर्पित किए तथा जगह-जगह वितरित की गई लस्सी

चन्दौसी/संभल(सब का सपना):- नगर के गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा, गुरु तेग बहादुर मार्ग में सिख पंथ के पांचवें गुरु एवं प्रथम शहीद गुरु अर्जुन देव महाराज का शहीदी दिवस श्रद्धा, भक्ति और सेवा भाव के साथ मनाया गया। इस अवसर पर नगर एवं आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने गुरुद्वारा पहुंचकर गुरु साहिब को श्रद्धासुमन अर्पित किए। धार्मिक दीवान में वक्ताओं ने गुरु अर्जुन देव महाराज के महान जीवन, आध्यात्मिक योगदान और अद्वितीय शहादत पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उन्होंने सत्य, मानवता और धार्मिक स्वतंत्रता की रक्षा के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया। गुरु इतिहास का वर्णन करते हुए बताया गया कि वर्ष 1606 में लाहौर में उन्हें अमानवीय यातनाएं दी गईं, लेकिन उन्होंने धैर्य, संयम और प्रभु भक्ति का मार्ग नहीं छोड़ा। उनकी शहादत आज भी मानवता को सत्य और धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती है। इस अवसर पर श्री अखंड पाठ साहिब की पूणार्हुति, सुखमनी साहिब का पाठ एवं गुरबाणी कीर्तन का आयोजन किया गया। अमृतसर से पधारे कथावाचक भाई मजदूर सिंह ने गुरु इतिहास का भावपूर्ण वर्णन किया, जबकि हजूरी रागी भाई सुखप्रीत सिंह ने गुरबाणी कीर्तन प्रस्तुत कर संगत को आध्यात्मिक वातावरण में भाव-विभोर कर दिया। कार्यक्रम के समापन पर संगत ने गुरु साहिब की शिक्षाओं को जीवन में अपनाने का संकल्प लिया। इसके बाद गुरुद्वारा परिसर में लस्सी का वितरण किया गया। वहीं गोशाला रोड, स्टेशन रोड, मुंसिफ रोड सहित नगर के विभिन्न स्थानों पर सिख समाज द्वारा स्टॉल लगाकर राहगीरों को शीतल लस्सी वितरित की गई, जिससे लोगों को भीषण गर्मी में राहत मिली। कार्यक्रम को सफल बनाने में गुरुबख्श सिंह, गोपाल सिंह, स्वर्ण सिंह, चरन सिंह, चरनजीत सिंह, जोगेंद्र सिंह, जसवंत सिंह, हरजीत सिंह, अवतार सिंह, सुरेंद्र पाल सिंह, वेद अरोड़ा, हरचरन सिंह, जसवीर कौर, कमलजीत कौर, दलजीत कौर, हरविंद्र कौर, अमरदीप कौर सहित सिख समाज के अनेक लोगों एवं नगरवासियों का सहयोग रहा।

पांच दिवसीय योग शिविर में महिलाओं को सिखाए योग और प्राणायाम के गुर

चन्दौसी/संभल(सब का सपना):- किरण सोशल वेलफेयर सोसाइटी के तत्वावधान में आयोजित पांच दिवसीय योग शिविर के चौथे दिन महिलाओं को योग एवं प्राणायाम का प्रशिक्षण दिया गया। शिविर में योगाचार्य सुशीला आर्य (पतंजलि) एवं हरिओम वैद्य ने प्रतिभागियों को विभिन्न योगासनों और उनके स्वास्थ्य लाभों की जानकारी दी। योगाचार्यों ने महिलाओं को ध्यान, नौकासन, ताड़ासन, पद्मासन और सुखासन का अभ्यास कराया। साथ ही योग के आठ अंग–यम, नियम, आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, धारणा, ध्यान और समाधि के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने प्राणायाम में श्वास नियंत्रण की तकनीकों, जैसे पूरक, कुंभक और रेचक के बारे में विस्तार से जानकारी दी तथा अनुलोम-विलोम, कपालभाति और भ्रामरी जैसे प्राणायाम को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने की सलाह दी। उन्होंने बताया कि नियमित योग और प्राणायाम शरीर को स्वस्थ, लचीला और रोगमुक्त रखने में सहायक हैं। साथ ही खान-पान को लेकर भी उन्होंने संतुलित आहार, समय पर भोजन, दोपहर में मट्ठा (छाछ) तथा गुड़ के सेवन के लाभ बताए। शिविर के दौरान ग्रुप अध्यक्ष डॉ. नीलम वार्ष्णेय ने फैटी लिवर जैसी समस्याओं पर प्रश्न पूछे, जिनका उत्तर देते हुए योगाचार्यों ने बताया कि मोटापा फैटी लिवर का प्रमुख कारण है और नियमित योग के माध्यम से इस समस्या से बचाव किया जा सकता है। इस अवसर पर रूबी वार्ष्णेय, मालती वार्ष्णेय, धर्मेश वार्ष्णेय, इंदु अग्रवाल, अंजू अग्रवाल, रीता अग्रवाल, रेखा गुप्ता, मीना वार्ष्णेय, गुंजन वैष्णव, पलक वार्ष्णेय, भक्ति वार्ष्णेय सहित अनेक महिलाएं एवं अन्य प्रतिभागी उपस्थित रहे।

खाद्य सुरक्षा विभाग का छापा, घी और पनीर के सात नमूने जांच के लिए भेजे

संभल(सब का सपना):- आमजन को सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग ने गुरुवार को जनपद के विभिन्न डेयरी एवं खाद्य निर्माण प्रतिष्ठानों पर सघन जांच अभियान चलाया। आयुक्त, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन उत्तर प्रदेश के निर्देश तथा जिलाधिकारी के आदेश पर प्रवर्तन दल ने कई प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर घी और पनीर के सात नमूने जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे। जांच के दौरान चन्दौसी के सीता रोड स्थित श्री प्रकाश एंड सन्स से लालशील ब्रांड घी एवं हरबंश ब्रांड देशी घी, ग्राम बड़ा ताजुद्दीन स्थित रूबीना डेयरी से पनीर, मंडी रोड स्थित टी.एस.टी. मिल्क एंड डेयरी प्रा.लि. से घी, माउंटेन डेयरी से पनीर, ग्राम अशरफपुर स्थित जावेद पनीर भंडार एवं अमायरा मिल्क डेयरी,पनीर उद्योग से पनीर तथा ग्राम पाली की मढ़ैया स्थित चाहल पनीर उद्योग से पनीर के नमूने लिए गए। निरीक्षण के दौरान कई इकाइयों में साफ-सफाई व्यवस्था में कमियां मिलने पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम-2006 की धारा 32 के तहत सुधार नोटिस जारी किए गए। विभाग ने स्पष्ट किया कि प्रयोगशाला से जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद यदि नमूने मानकों के अनुरूप नहीं पाए गए तो संबंधित प्रतिष्ठानों के खिलाफ नियमानुसार विधिक कार्रवाई की जाएगी।

साइबर सेल की तत्परता से युवक को मिले पचास हजार रुपये वापस

गलती से मोबाइल नंबर की एक डिजिट बदलने से दूसरे के खाते में पहुंच गए थे रुपए

संभल (सब का सपना):- जनपद में साइबर अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना कैलादेवी साइबर सेल ने सराहनीय कार्य करते हुए एक युवक के 50 हजार रुपये वापस दिला दिए। थाना कैलादेवी क्षेत्र के ग्राम सादनगर निवासी पप्पू पुत्र शिवचंदर ने 27 मई को साइबर हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में बताया गया कि वह अपने खाते से मोबाइल के माध्यम से अपने भाई को 50 हजार रुपये भेज रहे थे, लेकिन मोबाइल नंबर की एक डिजिट गलत दर्ज हो जाने के कारण रकम किसी अन्य व्यक्ति के खाते में चली गई। बाद में संबंधित व्यक्ति ने रुपये लौटाने से इनकार कर दिया। शिकायत मिलने के बाद थाना कैलादेवी साइबर सेल ने मामले की जांच शुरू की और नियमानुसार कार्रवाई करते हुए पीड़ित के 50,000 रुपये सफलतापूर्वक वापस करा दिए। अपनी रकम वापस मिलने पर पीड़ित ने साइबर सेल टीम का आभार व्यक्त किया। साइबर सेल ने जनपदवासियों से अपील की है कि किसी भी अनजान लिंक पर क्लिक न करें, अपना बैंक खाता, एटीएम पिन, ओटीपी और सीवीवी जैसी गोपनीय जानकारी किसी से साझा न करें तथा ऑनलाइन धनराशि भेजते समय मोबाइल नंबर या खाता संख्या की अच्छी तरह जांच कर लें। यदि किसी प्रकार की साइबर धोखाधड़ी हो जाए तो तत्काल साइबर हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत दर्ज कराएं।

फैक्ट्री में चोरी का पुलिस ने किया खुलासा, दो शातिर गिरफ्तार, चोरी की मोटरें बरामद

धनारी/संभल (सब का सपना):- थाना पुलिस ने दाना फैक्ट्री में हुई चोरी की वारदात का सफल खुलासा करते हुए दो शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से चोरी की गई दो बिजली मोटर भी बरामद की हैं। बरामदगी के आधार पर मुकदमे में अतिरिक्त धाराएं बढ़ाते हुए दोनों आरोपियों को न्यायालय भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार थाना धनारी क्षेत्र के ग्राम भिरावटी निवासी अनय प्रताप सिंह पुत्र रोहिताश कुमार ने तहरीर देकर बताया था कि उनकी दाना फैक्ट्री से अज्ञात चोर दो बिजली मोटर, एक इन्वर्टर, दो बैटरियां तथा 35 एमएम केबल का एक बंडल चोरी कर ले गए। मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस को अहम सुराग मिले, जिसके आधार पर गुरुवार को थाना धनारी पुलिस टीम ने मुकदमे में वांछित आरोपी हरीश उर्फ टुला पुत्र सुखराम सिंह और ठाकुर सिंह कुशवाह पुत्र करन सिंह कुशवाह को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के बाद उनकी निशानदेही पर चोरी की गई दो बिजली मोटर बरामद कर ली गईं। बरामदगी के आधार पर पुलिस ने मुकदमे में धारा 317(2) भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की बढ़ोतरी की है। गिरफ्तार दोनों आरोपियों को विधिक कार्रवाई पूरी कर न्यायालय में पेश किया गया। पुलिस का कहना है कि इस मामले में नामजद अन्य आरोपियों की तलाश जारी है और जल्द ही उन्हें भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

खाद्य सुरक्षा विभाग का छापा, घी और पनीर के सात नमूने जांच के लिए भेजे

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जनपद के बहजोई क्षेत्र में गुरुवार शाम शुभमंगलम होटल के पास एक सड़क हादसे में बाइक सवार चार लोग घायल हो गए। बताया गया कि सामने से अचानक एक घोड़ा भागता हुआ आ गया, जिससे मोटरसाइकिल उसकी चपेट में आ गई और सभी सवार सड़क पर गिरकर घायल हो गए। घायलों की पहचान प्रियंका (16) पुत्री छोटे लाल, चंद्रप्रकाश (14) पुत्र छोटे लाल, छोटे लाल (50) पुत्र अमर सिंह, तीनों निवासी ग्राम त्रिलोकपुर, थाना रामघाट, जनपद बुलंदशहर तथा श्री ओम (35) पुत्र नौबत सिंह, निवासी ग्राम मुजफ्फरा, थाना गोधा, जनपद अलीगढ़ के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार सभी लोग इस्लामनगर से अपने रिश्तेदारों से मिलने के लिए ग्राम गढ़ा, थाना धनारी जा रहे थे। इसी दौरान शुभमंगलम होटल के पास सामने से अचानक घोड़ा दौड़ता हुआ आ गया, जिससे उनकी मोटरसाइकिल टकरा गई। हादसे की सूचना पर 108 एम्बुलेंस मौके पर पहुंची और सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) बहजोई पहुंचाया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए सभी को जिला अस्पताल संभल रेफर कर दिया। पुलिस मामले की जानकारी लेकर हादसे के कारणों की जांच कर रही है।

तीन दिवसीय विकास प्रदर्शनी का शुभारंभ, मंत्री गुलाब देवी ने किया उद्घाटन

बहजोई/संभल (सब का सपना):- केंद्र सरकार के सेवा, सुशासन एवं गरीब कल्याण के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 5 से 21 जून तक चल रहे जनकल्याण एवं जनजागरूकता अभियान के अंतर्गत गुरुवार को डी.आर. रिसॉर्ट, बहजोई में तीन दिवसीय विकास प्रदर्शनी एवं प्राकृतिक खेती कार्यशाला का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का आयोजन जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल के निर्देशन एवं मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट की अध्यक्षता में हुआ। मुख्य अतिथि माध्यमिक शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गुलाब देवी ने प्रदर्शनी का फीता काटकर उद्घाटन किया और विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का अवलोकन किया। इस दौरान आईसीडीएस विभाग की ओर से सात लाभार्थियों को मातृ आहार एवं सक्षम पोषण किट भी वितरित की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्ज्वलन एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ हुआ। अपने संबोधन में मंत्री गुलाब देवी ने कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने महिलाओं के सशक्तिकरण, किसानों की उन्नति और गरीब कल्याण को सरकार की प्राथमिकता बताते हुए अधिक से अधिक लोगों से योजनाओं का लाभ लेने का आह्वान किया। उन्होंने चन्दौसी में अतिथि गृह एवं रोडवेज बस स्टैंड निर्माण के प्रस्तावों का भी उल्लेख किया। कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष हरेन्द्र सिंह रिंकू, पूर्व मंत्री अजीत कुमार राजू यादव, पूर्व एमएलसी चन्द्रपाल सिंह पप्पू चौधरी,पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष ओमवीर सिंह खड़गवंशी सहित कई जनप्रतिनिधियों ने भी संबोधित किया।

इस अवसर पर चित्रकला प्रतियोगिता के विजेता छात्र-छात्राओं, प्राकृतिक खेती अपनाने वाले किसानों, केसीसी लाभार्थियों और एफपीओ से जुड़े किसानों को सम्मानित किया गया। साथ ही स्वास्थ्य शिविर एवं विभिन्न सरकारी योजनाओं के लिए पंजीकरण की व्यवस्था भी की गई।

पत्नी की यातनाओं से दुखी होकर पति ने दी आत्महत्या की चेतावनी

कहा-प्रशासन ने न्याय नहीं किया तो आत्महत्या करने के लिए हो जाऊंगा मजबूर।वीडियो बनाकर किया वायरल

रजबपुर/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के थाना रजबपुर क्षेत्र के गांव काफुरपुर निवासी नकुल सिंह ने बताया है कि उसकी शादी 2020 में जनपद संभल निवासी रुचि चाहल के साथ हुई थी। शादी के करीब एक डेढ़ साल बाद तक सब कुछ ठीक-ठाक रहा लेकिन उसके बाद मेरी पत्नी ने मुझे और मेरे परिवार को परेशान करना शुरू कर दिया जिसके चलते वह आए दिन घर में लड़ाई झगड़ा करने लगी, मेरे और मेरे परिवार वालों के समझाने के बावजूद भी उसने एक ना सुनीं, जिसके बाद वह मुझे और मेरे परिवार को छोड़कर चली गई और अपने पीहर जाकर माता-पिता के कहने पर मुझ पर कई तरीके के झूठे मुकदमे लगा दिए। जिनको लड़ते हुए आज मुझे करीब 4-5 साल हो गए हैं इन चार-पांच सालों में मैं मुकदमे बाजी में करीब 7 लाख रुपए खर्च कर चुका हूं और अपनी पत्नी को उसके पिहर में रहने के बावजूद भी कोर्ट के आदेश पर खर्चा भी दे रहा हूं बावजूद इसके वह आए दिन कोर्ट के जरिए मुझसे खर्चे की मांग करती है। पीड़ित नकुल का कहना है कि इसी बीच में मैंने अपनी पत्नी से कई बार कोर्ट के जरिए घर आने की बात भी रखी है कोर्ट ने उसको घर आने के आदेश भी दिए लेकिन उसने कोर्ट के आदेशों का भी उल्लंघन कर दिया और घर नहीं आई। मेरी पत्नी से मुझे एक बेटी भी है जो मेरे पास रहती है मैं पैसे से एक मजदूर आदमी हूं। अपनी बेटी के होते में अपनी पत्नी को उसके घर बैठे खर्चा देने में असमर्थ हूं और मानसिक रूप से पूरी तरह परेशान हूं और किसी भी निर्णय को लेने में असमर्थ हूं मैं प्रशासन से अपने और अपनी बेटी के लिए न्याय की मांग करता हूं यदि मेरे साथ न्याय नहीं हुआ तो मैं अपनी बेटी के साथ आत्महत्या करने के लिए मजबूर हो जाऊंगा।

पल्स पोलियो अभियान को लेकर स्वास्थ्य कर्मियों को दिया गया प्रशिक्षण, 28 जून से शुरू होगा अभियान

स्योहारा/बिजनौर (सब का सपना):- सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) स्योहारा के सभागार में आगामी पल्स पोलियो अभियान के सफल संचालन को लेकर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सीएचसी प्रभारी एवं अधीक्षक डॉ. बी.के. स्नेही ने की। प्रशिक्षण में पोलियो सुपरवाइजरों, डिपो होल्डरों, एएनएम, आशा, संगिनी एवं स्वास्थ्य विभाग के अन्य कर्मचारियों को अभियान से संबंधित आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। डॉ. बी.के. स्नेही ने बताया कि पल्स पोलियो अभियान 28 जून से 3 जुलाई 2026 तक संचालित किया जाएगा। अभियान का मुख्य उद्देश्य शून्य से पांच वर्ष तक के प्रत्येक बच्चे को पोलियोरोधी दवा की दो बूंद पिलाकर उन्हें पोलियो जैसी गंभीर बीमारी से

सुरक्षित रखना है। उन्होंने बताया कि स्योहारा ब्लॉक में अभियान के लिए 151 पोलियो बूथ स्थापित किए गए हैं। इसके अलावा 87 घर-घर भ्रमण टीमें, 5 ट्रांजिट टीमें तथा 2 मोबाइल टीमें गठित की गई हैं। अभियान की निगरानी के लिए 30 सुपरवाइजर तैनात किए गए हैं, जो प्रतिदिन निरीक्षण कर शाम की समीक्षा बैठक में अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे। उन्होंने बताया कि अभियान के प्रथम दिन 28 जून को ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के स्कूलों तथा आंगनबाड़ी केंद्रों पर स्थापित पोलियो बूथों पर शून्य से पांच वर्ष तक के बच्चों को पोलियोरोधी दवा की दो बूंद पिलाई जाएगी। इसके बाद 29 जून से 3 जुलाई तक स्वास्थ्यकर्मी घर-घर जाकर छूटे हुए बच्चों को पोलियो की खुराक देंगे। वहीं बी-टीम कार्यक्रम 6 जुलाई को आयोजित किया जाएगा। डॉ. स्नेही ने कहा कि भारत पोलियो मुक्त देश घोषित हो चुका है, लेकिन पड़ोसी देशों पाकिस्तान और अफगानिस्तान में अभी भी पोलियो के मामले सामने आ रहे हैं। ऐसे में संक्रमण की आशंका को देखते हुए प्रत्येक वर्ष पल्स पोलियो अभियान चलाया जाता है, ताकि कोई भी बच्चा पोलियोरोधी दवा से वंचित न रह जाए। प्रशिक्षण के दौरान टीकाकरण, माइक्रो प्लानिंग, कोल्ड चेन प्रबंधन तथा वैक्सीनेशन की प्रक्रिया पर विस्तार से जानकारी दी गई। इस अवसर पर डॉ. राकेश कुमार, हेल्थ सुपरवाइजर वीर सिंह, राजेश कुमार, एआरओ आलोक कुमार, फार्मासिस्ट हरीश कुमार, प्रदीप रावत, डब्ल्यूएचओ मॉनिटर मोहम्मद मुस्तकीम, अरुण कुमार सहित सभी सुपरवाइजर, एएनएम, आशा, संगिनी एवं स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी उपस्थित रहे।

जिला कारागार में हुआ योगाभ्यास, योग सप्ताह के चौथे दिन कैदियों व अधिकारियों ने किया योग

बिजनौर (सब का सपना):- 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में जनपद में आयोजित योग सप्ताह के चौथे दिन गुरुवार प्रातः जिला कारागार बिजनौर में योगाभ्यास कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में योग प्रशिक्षकों ने भारत सरकार के निर्धारित योग प्रोटोकॉल के अनुसार प्रतिभागियों को विभिन्न योगासन एवं प्राणायाम का अभ्यास कराया तथा नियमित योग के महत्व पर प्रकाश डाला। योग प्रशिक्षक डॉ. नरेंद्र एवं गजेंद्र कुमार ने उपस्थित अधिकारियों, कर्मचारियों एवं प्रतिभागियों को योगाभ्यास कराते हुए बताया कि नियमित योग से शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य बेहतर होता है तथा तनाव से मुक्ति मिलती है। कार्यक्रम का संचालन डॉ. रश्मी भास्कर एवं डॉ. अनुभव ने किया। इस दौरान उपस्थित सभी प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक योगाभ्यास में भाग लेते हुए स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी डॉ. राकेश कुमार, जिला होम्योपैथिक चिकित्सा अधिकारी डॉ. आरती गुप्ता, जिला कार्यक्रम प्रबंधक सुरेश कुमार, विश्व आयुर्वेद परिषद के जिला संयोजक डॉ. शेखर सोलंकी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। योगेंद्र पाल सिंह योगी, सुनील राजपूत तथा अन्य योग साधकों ने भी कार्यक्रम में सहभागिता की। योग सप्ताह के सफल आयोजन में क्रीड़ा भारती, गोविंदा मॉर्निंग क्लब, गायत्री परिवार, आईएनओ तथा अन्य योग संस्थाओं का महत्वपूर्ण सहयोग रहा। समापन अवसर पर डॉ. रश्मी भास्कर एवं डॉ. अनुभव ने सभी प्रतिभागियों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं सहयोगी संस्थाओं का आभार व्यक्त करते हुए 21 जून को आयोजित होने वाले अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के मुख्य कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में सहभागिता करने की अपील की।

प्रशासक नियुक्त होते ही ग्राम समाज की जमीन पर खड़े हरे पेड़ों के कटान का आरोप, ग्रामीणों ने डीएम से की शिकायत

बिजनौर (सब का सपना):- कोतवाली शहर क्षेत्र के गांव राघोरामपुर में ग्राम पंचायत में प्रशासक नियुक्त होने के बाद ग्राम समाज की भूमि पर खड़े हरे पेड़ों के कटान का मामला सामने आया है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि प्रधान पति सौरभ त्यागी ने चोरी-छिपे लाखों रुपये मूल्य के हरे पेड़ों पर आरा चलवा दिया। मामले को लेकर ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त है। ग्रामीणों का आरोप है कि ग्राम समाज की भूमि पर खड़े पेड़ों का बिना वैधानिक प्रक्रिया अपनाए कटान कराया जा रहा था। इसकी सूचना मिलने पर स्थानीय लोगों ने डायल-112 पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने तत्काल पेड़ों का कटान रुकवा दिया। ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि मामले में कुछ तहसील कर्मचारियों की मिलीभगत रही। उनका कहना है कि कटान के बाद हल्का लेखपाल ने कटे हुए पेड़ों को जब्त कराने के बजाय ग्राम प्रधान के ही सुपुर्द कर दिया, जिससे कई सवाल खड़े हो रहे हैं। मामले को लेकर ग्रामीणों ने जिलाधिकारी से शिकायत कर पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराने, दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई करने तथा ग्राम समाज की संपत्ति की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है। फिलहाल प्रशासन की ओर से शिकायत की जांच की जा रही है। जांच रिपोर्ट आने के बाद ही आरोपों की पुष्टि हो सकेगी।

हज यात्रा-2027 के इच्छुक आवेदक समय रहते पासपोर्ट की वैधता करें सुनिश्चित

बिजनौर (सब का सपना):- जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि हज कमेटी ऑफ इंडिया, मुम्बई द्वारा जारी सर्कुलर-1 दिनांक 02 जून 2026 के अनुसार हज यात्रा वर्ष 2027 की आधिकारिक घोषणा शीघ्र की जाएगी। हज यात्रा के इच्छुक आवेदकों को अभी से आवश्यक तैयारियां पूर्ण कर लेने की सलाह दी गई है। उन्होंने बताया कि हज-2027 हेतु आवेदन करने के लिए मशीन पठित (ट्रूँल्ली फ्रीुँ ी) पासपोर्ट होना अनिवार्य है। हस्तलिखित पासपोर्ट मान्य नहीं होगा। साथ ही आवेदन के लिए पासपोर्ट की वैधता 31 दिसंबर 2027 तक होना आवश्यक है। नए पासपोर्ट बनवाते समय यह भी सुनिश्चित किया जाए कि पासपोर्ट में सरनेम/लास्ट नेम का कॉलम रिक्त न रहे। जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी ने जनपद के सभी इच्छुक हज यात्रियों से अपील की है कि वे अपना मूल अंतर्राष्ट्रीय पासपोर्ट तैयार रखें। जिन आवेदकों के पास 31 दिसंबर 2027 तक वैध पासपोर्ट उपलब्ध है, वे हज-2027 के आवेदन हेतु तैयार रहें। जिनका पासपोर्ट उक्त तिथि तक वैध नहीं है अथवा जिनके पास पासपोर्ट नहीं है, वे तत्काल पासपोर्ट कार्यालय में आवेदन कर नया पासपोर्ट बनवाने की प्रक्रिया प्रारंभ करें।उन्होंने कहा कि हज-2027 की घोषणा के बाद ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया प्रारंभ होते ही केवल पात्र एवं आवश्यक दस्तावेजों से युक्त आवेदक ही समय पर आवेदन कर सकेंगे। इसलिए सभी इच्छुक हज यात्री समय रहते अपनी पासपोर्ट संबंधी औपचारिकताएं पूर्ण कर लें, ताकि आवेदन के समय किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पडे।

भारतीय नाविकों की मौत पर सीपीएम का प्रदर्शन, राष्ट्रपति के नाम सौंपा ज्ञापन

अमेरिकी कार्रवाई की निंदा, केंद्र सरकार की विदेश नीति पर भी उठाए सवाल

बिजनौर (सब का सपना):- भारतीय नाविकों की मौत के मामले को लेकर कम्युनिस्ट पार्टी मार्क्सवादी (सीपीएम) ने गुरुवार को कलेक्ट्रेट परिसर में प्रदर्शन कर अमेरिकी कार्रवाई के खिलाफ आवाज बुलंद की। पार्टी कार्यकताओं ने नारेबाजी करते हुए राष्ट्रपति के नाम संबोधित ज्ञापन प्रशासनिक अधिकारियों को सौंपा और घटना की निष्पक्ष अंतरराष्ट्रीय जांच तथा मृतक नाविकों के परिवारों को उचित मुआवजा दिए जाने की मांग की। सीपीएम के बैनर तले बड़ी संख्या में कार्यकर्ता कलेक्ट्रेट पहुंचे। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजर रहे वाणिज्यिक जहाजों पर अमेरिकी नौसेना द्वारा किए गए हमलों में भारतीय नाविकों की जान गई है। ज्ञापन में कहा गया कि भारतीय चालक दल वाले जहाजों पर इस प्रकार की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं, जिससे समुद्री मार्गों पर

कार्यरत भारतीय नागरिकों की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा हो गई हैं। कार्यकताओं ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय जलमार्गों में स्वतंत्र और सुरक्षित आवाजाही वैश्विक व्यापार की बुनियादी आवश्यकता है। ऐसे में किसी भी देश द्वारा एकतरफा कार्रवाई करना अंतरराष्ट्रीय नियमों और संयुक्त राष्ट्र चार्टर की भावना के विपरीत है। उन्होंने आरोप लगाया कि अमेरिकी नीतियां वैश्विक तनाव को बढ़ावा दे रही हैं और इसका असर विश्व अर्थव्यवस्था पर भी पड़ रहा है। ज्ञापन में यह भी कहा गया कि पश्चिम एशिया में बढ़ते सैन्य तनाव और अमेरिकी हमलों के कारण ऊर्जा क्षेत्र प्रभावित हो रहा है। इससे पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतों, उर्वरकों की उपलब्धता और आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि ऐसी परिस्थितियों का असर विकासशील देशों पर अधिक पड़ता है। सीपीएम नेताओं ने केंद्र सरकार की विदेश नीति पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि भारत को अपने राष्ट्रीय हितों और नागरिकों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी चाहिए। उन्होंने मांग की कि भारत सरकार इस मुद्दे पर स्पष्ट और प्रभावी कूटनीतिक पहल करे तथा अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारतीय नागरिकों की सुरक्षा का मामला मजबूती से उठाए। प्रदर्शन के दौरान कार्यकताओं ने मांग की कि मृतक भारतीय नाविकों के परिजनों को उचित आर्थिक सहायता और मुआवजा उपलब्ध कराया जाए। साथ ही घटना के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। प्रदर्शन में फरीद अहमद, शफाफत मोहम्मद, इसरार, तुलाराम, इंदु कुमार शर्मा, अखलाक मोहम्मद, सुहैल सलीम, राम अवतार सिंह, जयपाल सिंह, प्रवीण सिंह सहित पार्टी के अनेक कार्यकर्ता मौजूद रहे। प्रदर्शन शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ और बाद में प्रतिनिधिमंडल ने प्रशासनिक अधिकारियों को ज्ञापन सौंपा।

प्राकृतिक खेती कार्यशाला का भव्य आयोजन

बिजनौर (सब का सपना):- मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश सरकार में स्वतंत्र प्रभार राज्य मंत्री (व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता विभाग) तथा जनपद प्रभारी मंत्री कपिल देव अग्रवाल एवं विशिष्ट अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष साकेंद्र प्रताप सिंह, भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष भूपेंद्र चौहान (बॉबी), वरिष्ठ भाजपा नेता ऐश्वर्य मौसम चौधरी की गरिमामयी उपस्थित में जनपद बिजनौर में कृषि क्षेत्र के समग्र विकास, किसानों की आय वृद्धि तथा प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आज इंदिरा बाल भवन, बिजनौर में जनपद स्तरीय खरीफ उत्पादकता गोष्ठी-2026, त्वरित मक्का विकास कार्यक्रम अंतर्गत जनपद स्तरीय कृषि मेला एवं प्राकृतिक खेती कार्यशाला का शुभारंभ फीता काटकर तथा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। प्रभारी मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर किसानों के कल्याण हेतु संचालित विभिन्न योजनाओं एवं उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए अपने संबोधन में कहा कि किसान आधुनिक तकनीकों को अपनाकर अपनी आय में वृद्धि कर रहे हैं। उन्होंने किसानों से मक्का उत्पादन एवं मक्का बीज उत्पादन को बढ़ावा देने का आह्वान करते हुए कहा कि मक्का की खेती गन्ने के प्रभावी विकल्प के रूप में उभर सकती है तथा इससे किसानों को बेहतर आर्थिक लाभ प्राप्त होगा। उन्हींने किसानों को रासायनिक खेती पर निर्भरता कम करने और पर्यावरण अनुकूल कृषि पद्धतियों को अपनाने के लिए भी प्रेरित किया। जिला पंचायत अध्यक्ष साकेंद्र प्रताप सिंह ने किसानों से फसल चक्र अपनाने, सहफसली खेती को बढ़ावा देने तथा अपनी भूमि की प्रकृति के अनुसार फसलों का चयन करने का आह्वान किया। उन्होंने किसानों को मिट्टी परीक्षण के उपरांत ही उर्वरकों एवं कीटनाशकों का प्रयोग करने तथा जैविक खेती अपनाने की सलाह दी। जिलाधिकारी जसजीत कौर ने किसानों से प्राकृतिक खेती को अपनाने, गन्ने के साथ दलहन एवं तिलहन की सहफसली खेती करने तथा कम लागत में अधिक उत्पादन प्राप्त करने का आह्वान किया। उन्होंने कृषि विभाग एवं संबद्ध विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया कि गोष्ठियों में सफल एवं प्रगतिशील किसानों को आमंत्रित कर उनके अनुभव अन्य किसानों तक पहुंचाए जाएं, जिससे अधिकाधिक कृषक लाभान्वित हो सकें।

कृषि विज्ञान केंद्र की वैज्ञानिक डॉ. शिवांगी एवं डॉ. प्रतिमा गुप्ता ने किसानों को ड्रैगन फ्रूट, मशरूम उत्पादन, बागवानी, खरीफ फसलों में कीट एवं रोग प्रबंधन सहित कृषि की नवीनतम तकनीकों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने किसानों की समस्याओं का मौके पर समाधान भी किया। कार्यक्रम का सफल संचालन सेवानिवृत्त विषय-वस्तु विशेषज्ञ श्री योगेंद्र पाल सिंह द्वारा किया गया।

कार्यक्रम के दौरान अतिथियों ने कृषि, उद्यान, पशुपालन, मत्स्य, कृषि विज्ञान केंद्र एवं निजी क्षेत्र द्वारा लगाए गए विभिन्न प्रदर्शनी स्टॉलों का अवलोकन किया तथा किसानों को उपलब्ध कराई जा रही योजनाओं एवं तकनीकों की जानकारी प्राप्त की।

कार्यक्रम के दौरान कृषि क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले जनपद के प्रगतिशील कृषकों ओम प्रकाश सिंह, शूरवीर सिंह, समरपाल सिंह, शैलेश राणा, इरफान अहमद, योगेश कुमार, राहुल जवान, कुलबीर सिंह, अनीता एवं प्रवेश कुमार सहित अन्य किसानों को प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर, मुख्य विकास अधिकारी रणविजय सिंह, उप कृषि निदेशक डॉ. घनश्याम वर्मा, जिला कृषि अधिकारी जसवीर सिंह तेवतिया तथा कृषि विज्ञान केंद्र एवं कृषि विभाग के वैज्ञानिक एवं अधिकारीगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम में जनपद के लगभग 950 कृषकों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया।

महिला कर्मचारी से अभद्रता का विरोध करने पर गनमैन को मारी थी टक्कर, आरोपी कार समेत गिरफ्तार

पुरैनी टोल प्लाजा की घटना का पुलिस ने किया खुलासा, सीसीटीवी और वाहन नंबर से आरोपी तक पहुंची पुलिस

बिजनौर(सब का सपना):- जनपद के नगीना-धामपुर मार्ग स्थित पुरैनी टोल प्लाजा पर महिला कर्मचारी से अभद्रता का विरोध करने पर गनमैन को कार से टक्कर मारकर घायल करने के मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने घटना में प्रयुक्त कार भी बरामद कर ली है। आरोपी की गिरफ्तारी के बाद टोल कर्मचारियों और पीड़ित परिवार ने राहत की सांस ली है।

गौरतलब है कि बुधवार दोपहर पुरैनी टोल प्लाजा पर उस समय अफरा-तफरी मच गई थी, जब एक कार चालक ने महिला कर्मचारी के साथ अभद्र व्यवहार किया। विरोध करने पर वहां तैनात गनमैन महिपाल सिंह बीच-बचाव के लिए पहुंचे थे। आरोप है कि इसी बात से नाराज होकर कार चालक ने गनमैन को टक्कर मार दी थी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए थे।

जानकारी के अनुसार घटना दोपहर करीब 1:30 बजे हुई। टोल बूथ पर महिला कर्मचारी शिवानी ड्यूटी पर

तैनात थीं। इसी दौरान एक कार वहां पहुंची। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक चालक और टोल कर्मचारियों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया। महिला कर्मचारी के विरोध के बाद मामला बढ़ गया और गनमैन महिपाल सिंह ने हस्तक्षेप कर स्थिति को शांत कराने का प्रयास किया।

बताया जाता है कि विवाद के दौरान कार चालक ने अचानक वाहन आगे बढ़ा दिया, जिसकी चपेट में आकर महिपाल सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया था। घायल गनमैन को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए मेरठ रेफर कर दिया गया।

घटना का वीडियो और सीसीटीवी फुटेज सामने आने के बाद पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू की। टोल प्लाजा पर लगे कैमरों की फुटेज और वाहन नंबर के आधार पर पुलिस आरोपी तक पहुंचने में सफल रही। इसके बाद पुलिस ने आरोपी को कार सहित गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार आरोपी के खिलाफ पहले से दर्ज मुकदमे में साक्ष्यों के आधार पर विधिक कार्रवाई आगे बढ़ाई जा रही है। मामले की विवेचना जारी है और घटना से जुड़े सभी पहलुओं की जांच की जा रही है।

उधर, आरोपी की गिरफ्तारी की सूचना मिलने के बाद टोल कर्मचारियों ने पुलिस कार्रवाई की सराहना की है। वहीं घायल गनमैन महिपाल सिंह का उपचार जारी है। परिजनों ने उम्मीद जताई है कि आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

दिनदहाड़े हुई इस घटना ने टोल प्लाजा सहित सार्वजनिक स्थानों पर कार्यरत कर्मचारियों की सुरक्षा को लेकर भी कई सवाल खड़े किए हैं। लोगों का कहना है कि ड्यूटी कर रहे कर्मचारियों और सुरक्षा कर्मियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी व्यवस्था की जानी चाहिए।

फॉरएवर ग्लोबल के एमडी तन्मय मोदी ने किया अन्नदाताओं का सम्मान, बोले: मिल आपकी है, मिलकर बनाएंगे सुदृढ़

बरेली (सब का सपना):- गुरूवार को ग्राम सिंधौली एवं उसके उपरांत ग्राम सिल्लापुर में फॉरएवर ग्लोबल इंटरप्राइजेज लिमिटेड जो कि पूर्व में धामपुर बायो ऑर्गेनिक्स लिमिटेड ग्रुप के पास थी जो कि अब फॉरएवर फ्लोबल ग्रुप द्वारा अधिकृत कर ली गई है, के प्रबंध निदेशक तन्मय मोदी की अध्यक्षता में एक गोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें उनकी सुपुत्री तन्वी मोदी, विक्रम डायरेक्टर,डीके शर्मा बिजनेस हेड, संदीप शर्मा एडवाइजर बोर्ड, विजयवीर राणा उपाध्यक्ष एवं प्रदीप राठी वरिष्ठ महाप्रबंधक गन्ना ने प्रतिभाग किया। बता दें कि गोष्ठी में तन्मय मोदी ने कृषकों को माल्यार्पण कर मिष्ठान वितरित करने के बाद कृषकों को देश का अन्नदाता

बताते हुए अपील की कि कृषक भाई अधिक गन्ना उत्पादन करें। मिल प्रबंधन की ओर से अधिक गन्ना उत्पादन हेतु हर संभव प्रयास करने का प्रयत्न किया जाएगा एवं पूर्व की भांति आगे भी गन्ना भुगतान समय से करने का आश्वासन दिया गया। साथ ही कहा कि मिल आपकी है हम दोनों मिलकर मिल को अधिक गन्ना आपूर्ति कर सुदृढ़ बनाएंगे। इस मौके पर सिंधौली ग्राम में सतीश चंद्र गंगवार, जगदीश गंगवार, मास्टर अतर सिंह, राजेंद्र सिंह, महेश चंद्र मिश्रा, सर्वेश गंगवार, परवेंद्र दिवाकर, मिंटू गंगवार, आसाराम गंगवार एवं अन्य कृषक उपस्थित रहे एवं सिल्लापुर ग्राम में अंकित सिंह, महाराज सिंह, सुरेंद्र सिंह, विजय सिंह, राजवीर सिंह, छोटे सिंह हरिशंकर एवं अन्य कृषकों के साथ मिल अधिकारी अंग्रेज सिंह, रति राम सिंह, योगेंद्र सिंह एवं स्टाफ उपस्थित रहे।

ईमानदारी की सजा भू-माफिया की बात न मानने पर हटाए गए लेखपाल हरीश कुमार

शिकारपुर/बुलंदशहर (सब का सपना):- शिकारपुर में ईमानदारी से काम करने और भू-माफियाओं के आगे न झुकने की एक बड़ी कीमत एक सरकारी कर्मचारी को चुकानी पड़ी है नगर क्षेत्र का कामकाज देख रहे लेखपाल हरीश कुमार, को अचानक हटा दिया गया है जिसकी क्षेत्र में काफी चर्चा है। स्थानीय लोगों के अनुसार हरीश कुमार, की छवि एक ईमानदार और नियमानुसार काम करने वाले कर्मचारी की रही है। सूत्रों और स्थानीय नागरिकों से मिली जानकारी के मुताबिक नगर के एक रसूखदार भू-माफिया जिस पर गैंगस्टर, मारपीट, और जमीन कब्जाने, जैसे कई संगीन मुकदमे दर्ज है वह लेखपाल हरीश कुमार, पर किसी जमीन की गलत पैमाइश (नाप-जोख) करने और नियमों के खिलाफ काम करने का लगातार दबाव बना रहा था। स्थानीय लोगों का कहना है कि लेखपाल हरीश कुमार, बेहद सही और ईमानदार व्यक्ति थे, वे केवल वही काम करते थे जो नियम और कानून के दायरे में सही होता था। भू-माफिया उनके जरिए गलत काम को सही और सही को गलत करवाना चाहते थे। जब लेखपाल ने उसकी बात मानने से इनकार कर दिया तो साजिश रचकर उन्हें नगर के प्रभार से हटवा दिया गया। तहसील और नगर क्षेत्र में यह बात आग की तरह फैली हुई है कि अगर लेखपाल हरीश कुमार, भू-माफिया की बात मान लेते और उसके मनमुताबिक गलत काम कर देते तो आज भी वे नगर का कामकाज देख रहे होते। इस बदलाव के बाद अब जनता के बीच यह सवाल उठने लगा है कि क्या ईमानदारी से काम करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों को इसी तरह माफियाओं के दबाव में हटाया जाता रहेगा। हरीश कुमार के हटने के बाद अब नगर क्षेत्र की जिम्मेदारी लेखपाल सनी कुमार को सौंपी गई है अब देखना यह होगा कि नए लेखपाल के कार्यकाल में नगर में भू-माफियाओं की मनमानी पर लगाम लगती है या स्थिति वैसी ही बनी रहती है। जनता में इस बात को लेकर गहरा आक्रोश है कि नियम-कायदों को ताक पर रख कर काम करवाने वाले अपराधियों का बोलबाला प्रशासनिक फेरबदल को प्रभावित कर रहा है ।

योग सप्ताह के तहत विद्यालयों और आयुष केंद्रों पर हुआ योगाभ्यास

21 जून को जनपदभर में वृहद स्तर पर आयोजित होगा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम

बुलन्दशहर (सब का सपना):- जिलाधिकारी एवं मुख्य विकास अधिकारी के निर्देशन में आयोजित 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस एवं योग सप्ताह (15 से 21 जून) के अंतर्गत जनपद के विद्यालयों, महाविद्यालयों एवं आयुष महाविद्यालयों में योगाभ्यास कराया गया। क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी डॉ. अलख प्रकाश के संचालन में विभिन्न स्थानों पर योग कार्यक्रम आयोजित किए गए। मलका पार्क में मास्टर ट्रेनरों द्वारा इस वर्ष की मुख्य थीम "योगा फॉर हेल्दी एजिंग" के साथ "योगा फॉर यूथ एंड स्टूडेंट" विषय पर प्रतिभागियों को योगाभ्यास कराया गया। इसके अलावा जनपद के सभी 16 विकास खंडों, ग्राम पंचायतों, दिव्यांगजन केंद्रों, जिला कारागार तथा आयुष चिकित्सालयों, आयुष्मान आरोग्य मंदिरों एवं योग आयुष वेलनेस सेंटरों पर नोडल चिकित्साधिकारियों की निगरानी में योग सत्र आयोजित किए गए। इस दौरान आयुष चिकित्सालयों द्वारा चिकित्सा शिविर भी लगाए गए। क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी डॉ. अलख प्रकाश ने बताया कि 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर ब्लॉक, तहसील एवं जनपद स्तर पर चिन्हित स्थलों पर वृहद कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने जनसामान्य से अधिक से अधिक संख्या में योग शिविरों में भाग लेकर स्वास्थ्य लाभ प्राप्त करने की अपील की।

गार्गी त्यागी ने संभाला नगर पालिका परिषद का अतिरिक्त प्रभार

जहांगीराबाद/बुलंदशहर (सब का सपना):- नगर पालिका परिषद जहांगीराबाद में पिछले करीब दो सप्ताह से रिक्त चल रहे अधिशासी अधिकारी पद का अतिरिक्त प्रभार गार्गी त्यागी ने गुरुवार को ग्रहण कर लिया। कार्यभार संभालने के बाद उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ बैठक कर लंबित कार्यों की समीक्षा की तथा सभी कार्यों को समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने जनहित के कार्यों को प्राथमिकता देने और आम जनता की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करने पर जोर दिया।

अवैध मिट्टी खनन पर प्रशासन का शिकंजा, दो लोडर व ट्रैक्टर-ट्रॉली सीज

बुलन्दशहर (सब का सपना):- खुर्जा देहात थाना क्षेत्र में अवैध मिट्टी खनन के खिलाफ जिला खनन विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दो लोडर मशीन और एक ट्रैक्टर-ट्रॉली को कब्जे में लेकर सीज कर दिया। कार्रवाई के बाद खनन माफियाओं में हड़कंप मच गया। जिला खनन अधिकारी बृजमोहन ने बताया कि अवैध खनन की सूचना मिलने पर बीती रात गांव भटवारा और हुर्थला क्षेत्र में छापेमारी की गई। इस दौरान खनन माफिया रात के अंधेरे में पुलिस-प्रशासन की नजरों से बचकर मिट्टी का अवैध खनन कर रहे थे। टीम के पहुंचते ही खनन में लगे लोग वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गए। खनन विभाग की टीम ने मौके से दो लोडर मशीन और एक ट्रैक्टर-ट्रॉली को कब्जे में लेकर सीज कर दिया तथा आवश्यक कार्रवाई के लिए वाहनों को पुलिस के हवाले कर दिया। जिला खनन अधिकारी बृजमोहन ने कहा कि जिले में अवैध खनन किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और इसके खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा।

छत पर चढ़कर गाली-गलौज व पथराव का आरोप, तीन के खिलाफ मुकदमा दर्ज

शिकारपुर/बुलंदशहर (सब का सपना):- सलेमपुर निवासी गुड्डी पत्नी महेंद्र ने पड़ोसियों पर घर की छत पर चढ़कर गाली-गलौज और मारपीट करने का आरोप लगाया है। पीड़िता के अनुसार वह परिवार के साथ घर के अंदर बैठी थी, तभी पड़ोसियों की ओर से गाली-गलौज की आवाजें सुनाई दीं। आरोप है कि पड़ोसी चरण सिंह अपने दो पुत्रों मयंक और छोटू उर्फ सचिन के साथ घर की छत पर चढ़ आए और गाली-गलौज करते हुए लाठी-डंडे, लोहे के पाइप व अन्य सामान घर में फेंक दिया। विरोध करने पर आरोपियों ने मारपीट भी की। मामले में पुलिस ने पीड़िता की तहरीर के आधार पर चरण सिंह, मयंक तथा छोटू उर्फ सचिन के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

दिल्ली में मानसून की तैयारीः सीएम रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में हुई बैठक, जारी हुआ 'फ्लड कंट्रोल ऑर्डर-2026'

नई दिल्ली। आगामी मानसून के मद्देनजर दिल्ली में संभावित बाढ़ की स्थिति से निपटने और जलभराव (की समस्या पर अंकुश लगाने के लिए दिल्ली सरकार ने अपनी तैयारियां पूरी कर ली हैं। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में आयोजित 'शीर्ष समिति' की एक महत्वपूर्ण बैठक में इन तैयारियों की व्यापक समीक्षा की गई। बैठक के दौरान सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग द्वारा आधिकारिक रूप से 'फ्लड कंट्रोल ऑर्डरझ्र2026' भी जारी किया गया, ताकि मानसून के दौरान सभी एजेंसियां एक तय गाइडलाइन के तहत काम कर सकें। दिल्लीवासियों को न हो कोई असुविधा, मुस्तैदी से काम करें सभी विभागः मुख्यमंत्री बैठक को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सभी संबंधित विभागों को कड़े लहजे में निर्देशित किया कि मानसून के दौरान दिल्ली के नागरिकों को किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि जलभराव की समस्या से निपटने के लिए सभी विभाग पूरी तत्परता और आपसी तालमेल के साथ धरातल पर उतरें। जलभराव को रोकने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदमों की जानकारी देते हुए बताया गया कि दिल्ली के जिन संवेदनशील इलाकों में हर साल पानी भरने की संभावना सबसे ज्यादा होती है, वहां इस बार जल निकासी के लिए वाटर पंपों की संख्या पहले से काफी बढ़ा दी गई है। प्रत्येक संभावित जलभराव बिंदु पर एक समर्पित 'नोडल अधिकारी' नियुक्त किया जाएगा, जिसकी सीधी जिम्मेदारी उस इलाके को जलभराव मुक्त रखने की होगी। ड्रैनेज की सफाई और सेंट्रल कंट्रोल रूम से 247 निगरानी बैठक में जलभराव की समस्या को जड़ से खत्म करने के लिए अधिकारियों को कई अहम तकनीकी और प्रशासनिक निर्देश दिए गए। नालों की समयबद्ध सफाई : मुख्यमंत्री ने स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी छोटे-बड़े नालों से गाद निकालने (ऊ-१'३ल्लॅ) का काम मानसून के पूरी तरह सक्रिय होने से पहले समय सीमा के भीतर अनिवार्य रूप से पूरा किया जाए। मोबाइल पंपिंग सिस्टमः जिन इलाकों में अचानक पानी भरने की आपातकालीन स्थिति पैदा होती है, वहां के लिए त्वरित गति से कार्य करने वाले 'मोबाइल पंपिंग सिस्टम' की उपलब्धता हर समय सुनिश्चित रखने को कहा गया है। सेंट्रल फ्लड कंट्रोल रूमः पूरी दिल्ली की स्थिति पर पैनी नजर रखने के लिए 'केंद्रीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष' के माध्यम से 24 घंटे सातों दिन (247) कड़ा पहरा और डिजिटल मॉनिटरिंग की जाएगी। बैठक में कई दिग्गज सांसद, मंत्री और वरिष्ठ अधिकारी रहे मौजूद इस शीर्ष समिति की उच्चस्तरीय बैठक में प्रशासनिक अधिकारियों के साथ-साथ दिल्ली के कई प्रमुख जनप्रतिनिधि और राजनेता भी शामिल हुए।

छह साल से अधिक समय से बेगमपुर में चल रहा हीरा कपूर अस्पताल, बच्चा तस्करी खुलासा के बाद खंगालेंगे डॉक्टरों की कुंडली

बाहरी दिल्ली। अंतर राज्यीय बाल तस्करी गिरोह में शामिल होने की बात सामने आने के बाद बेगमपुर के बरवाला रोड स्थित हीरा कपूर अस्पताल में गुरुवार सुबह से सन्नाटा पसरा है। बाल तस्करी का खुलासा होने के बाद से ही अस्पताल परिसर के आस-पास भी चर्चा का बाजार गर्म हो गया है। अब पुलिस यहां तैनात सभी कर्मचारियों की कुंडली खंगाल रही है। क्या है पूरा मामला? बता दें कि मध्य जिला की ऑपरेशंस यूनिट ने एक बहुत बड़ी कामयाबी हासिल करते हुए यूपी, राजस्थान, हरियाणा और मध्य प्रदेश जैसे राज्यों के बीच चल रहे एक संगठित बच्चा तस्करी रैकेट का पदार्फाश किया है। पुलिस ने इस मामले में हीरा कपूर अस्पताल की महिला मालिक (डॉक्टर), दलालों, खरीदारों और मुख्य सप्लायर समेत कुल 13 आरोपितों को गिरफ्तार किया है। इस पूरे ऑपरेशन के दौरान अलग-अलग राज्यों से पांच नवजातों का सुरक्षित रेस्क्यू किया गया। इनमें से चार बच्चे आदिवासी (ट्राइबल) परिवारों के हैं। मरीज और तीमारदारों की आवाजाही बंद चार मंजिला इमारत में यह अस्पताल छह-सात साल से अधिक समय से चल रहा है। अपराध का खुलासा होने के बाद सुबह से ही मरीज और तीमारदारों की आवाजाही बंद है। स्थानीय लोगों का कहना है कि अस्पताल में सामान्य बीमारी से लेकर कई अन्य बीमारियों का इलाज होता है। रजिस्ट्रेशन नंबर की होगी जांच अस्पताल के बाहर छह डॉक्टर के नाम के बोर्ड एवं फ्लैक्स लगे हैं। इनमें पांच डॉक्टर एमडी/एमएस हैं। डॉ. विवेकी सिंह कपूर ने स्वयं को एमडी प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ और डॉ. हीरा कपूर को एमडी मेडिसिन बताया है।

संभावना है कि दिल्ली पुलिस दिल्ली मेडिकल काउंसिल से इन डॉक्टरों के रजिस्ट्रेशन नंबर चेक करा सकती है।

दो बच्चों की मां लापता, युवक पर शक

औरंगाबाद/बुलंदशहर (सब का सपना):- ईलना निवासी दो बच्चों की मां रहस्यमय परिस्थितियों में लापता हो गई। पति हिमाचल प्रदेश से घर लौटने के बाद आराम कर रहा था, इसी दौरान पत्नी बच्चों को घर पर छोड़कर दवा लेने की बात कहकर निकली, लेकिन वापस नहीं लौटी। काफी तलाश के बाद भी महिला का कोई सुराग नहीं लगा। मायके पक्ष ने भी उसके वहां पहुंचने से इंकार कर दिया। पति सोनू ने थाने में तहरीर देकर एक युवक पर पत्नी को बहला-फुसलाकर ले जाने का संदेह जताया है। पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। फिलहाल महिला का कोई पता नहीं चल सका है।

विद्यालय में कूमल कर हजारों का सामान चोरी, मुकदमा दर्ज

शिकारपुर/बुलंदशहर (सब का सपना):- चिरचिटा स्थित संविलियन विद्यालय में अज्ञात चोरों ने कूमल कर हजारों रुपये का सामान चोरी कर लिया। विद्यालय की प्रभारी प्रधानाध्यापिका गीता रानी की तहरीर के अनुसार चोर कार्यालय से चाबी निकालकर सभी कमरों के ताले खोल गए और कंप्यूटर, प्रिंटर, टैबलेट, ब्लूटूथ स्पीकर सहित अन्य सामान चोरी कर ले गए। छात्रों से फोन पर सूचना मिलने के बाद विद्यालय पहुंचने पर घटना का पता चला। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर अज्ञात चोरों की तलाश शुरू कर दी है।

पिंक कार्ड से आयुष्मान तक 21 योजनाओं का लाभ पाएं दिल्ली के इन 42 शिविरों में, जानें अपने इलाके की लोकेशन

नई दिल्ली। यदि आप किसी सरकारी योजना के पात्र होकर भी उसके लाभ से वंचित हैं तो देर न करें। दिल्ली में 42 स्थानों पर जनकल्याण शिविर संचालित हो रहे हैं। जहां आप बिना किसी दिक्कत का सामना किए पिंक कार्ड, राशन कार्ड, ई-श्रम कार्ड, आयुष्मान कार्ड, प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला योजना, जाति प्रमाण पत्र, छात्रवृत्ति व एमएसएमई लोन आदि समेत 21 योजनाओं का लाभ ले सकते हैं। कब से कब तक लगेंगे शिविर दरअसल, नरेन्द्र मोदी सरकार के 12 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में चल रहे 'सेवा पखवाड़ा' के तहत दिल्ली में 18 से 20 जून तक आयोजित जनकल्याण शिविर पूरे जोर-शोर से चल रहे हैं। इन शिविरों में केंद्र और दिल्ली सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ लेने के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंच रहे हैं। यहां पर महिलाएं पिंक कार्ड बनवा रही हैं तो बड़ी संख्या में लोग राशन कार्ड आदि बनवा रहे हैं। हां, इस शिविर में अपने साथ आधार कार्ड, मोबाइल और अन्य उचित पहचान पत्र लेकर जरूर जाएं। किस तरह की समस्याओं का हो रहा त्वरित समाधान शहर के 42 स्थानों पर लगाए गए इन शिविरों में नागरिकों की समस्याओं का त्वरित समाधान किया जा रहा है। पानी के गलत बिल, जुमार्ना माफी, पेंशन, राशन कार्ड, आयुष्मान कार्ड, आधार अपडेशन, विभिन्न प्रमाण पत्र आदि से संबंधित शिकायतों का मौके पर ही निपटारा हो रहा है। इन मुख्य सुविधाओं पर रहेगा जोर पिंक कार्ड, राशन कार्ड, ई-श्रम कार्ड, जनधन खाता पानी बिल जुमार्ना माफी एवं अवैध कनेक्शन नियमितीकरण विधवा, दिव्यांग एवं वृद्धावस्था पेंशन आयुष्मान कार्ड, प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला योजना जाति प्रमाण पत्र, छात्रवृत्ति, एमएसएमई लोन आदि विभिन्न जिलों में लगाए गए इन शिविरों में केंद्र सरकार की योजनाओं के साथ-साथ दिल्ली सरकार की सुविधाओं की जानकारी भी दी जा रही है। अधिकारियों के अनुसार, शिविरों में अच्छी संख्या में लोग पहुंच रहे हैं और अधिकांश समस्याओं का तत्काल निस्तारण किया जा रहा है। बता दें कि ये शिविर गुरुवार से 20 जून शनिवार तक चलेंगे। दिल्ली सरकार ने आमजन से अपील की है

जबरन बाइक पर ले जा रहा युवक, छात्रा चलती बाइक से कूदी

शिकारपुर/बुलंदशहर (सब का सपना):- बीएससी द्वितीय सेमेस्टर की एक छात्रा को कथित तौर पर जबरन बाइक पर बैठाकर ले जाने के दौरान उसने चलती बाइक से कूदकर अपनी जान बचाई। पीड़िता के अनुसार, 16 जून को वह अपने एक दोस्त के साथ कॉलेज से घर लौट रही थी, तभी गांव निवासी छोटू ने उनकी बाइक रुकवाकर छात्र के साथ मारपीट की और मोबाइल से फोटो खींच लिए। आरोप है कि युवक ने दोनों के फोटो घरवालों को भेजने की धमकी देते हुए छात्रा को जबरन अपनी बाइक पर बैठा लिया। रास्ते में छात्रा बाइक से कूद गई। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

किसान दिवस के मौके पर भा.कि.यू. (अराजनैतिक) के कार्यकताओं ने एसडीओ पर लगाए गंभीर आरोप

स्याना/बुलंदशहर (सब का सपना):- युवा जिला अध्यक्ष ठाकुर शैलेंद्र आर्य ने बुगरासी बिजली एसडीओ प्रवीण कुमार वर्मा पर भ्रष्टाचार और अवैध लाइनें खिंचवाने के गंभीर आरोप लगाते हुए चीफ इंजीनियर दफ्तर पर तालाबंदी की चेतावनी दी थी। बैठक में युवा समाजसेवी आशु खान ने अधिकारियों को सीधे शब्दों में चेताते हुए कहा कि, "क्षेत्र के किसानों और व्यापारियों का उत्पीड़न किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अगर अधिकारी अपनी जेबें भरने के लिए आम जनता को परेशान करेंगे, तो उनके खिलाफ सड़क से लेकर प्रशासन तक ईंट से ईंट बजा दी जाएगी।" किसानों के तीखे आक्रोश और सौंपे गए ज्ञापन का तत्काल संज्ञान लेते हुए प्रशासन ने भ्रष्ट रऊड को आज ही पद से हटा दिया। इस बड़ी कामयाबी से क्षेत्र की आम जनता और व्यापारियों (बिजनेसमैन) में खुशी की लहर है। इस दौरान जिला संरक्षक चौधरी कुलदीप गुड्डू, नगर अध्यक्ष इरफान अली, सावेज खान, सरफराज, रिजवान, बाबा अनूप सिंह, महराज और मीनू सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

डिजिटल संचार के क्षेत्र में सूचना विभाग की प्रभावी पहल

लखनऊ (सब का सपना):- उत्तर प्रदेश सरकार के सूचना एवं जनसंपर्क विभाग द्वारा डिजिटल संचार को और अधिक सशक्त एवं प्रभावी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए विभाग के आधिकारिक यूट्यूब चौनल ह्लसूचना प्रवाहह्व का शुभारंभ आज लोक भवन, लखनऊ में किया गया। चैनल का शुभारंभ सूचना निदेशक विशाल सिंह एवं अपर सूचना निदेशक अरविंद कुमार मिश्र द्वारा किया गया। इस अवसर पर निमार्ता फिल्म अभय कुमार श्रीवास्तव, फिल्म निर्माण प्रबंधक संदीप पांडेय सहित सूचना विभाग के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी भी उपस्थित रहे। सूचना प्रवाह उत्तर प्रदेश सूचना एवं जनसंपर्क विभाग का आधिकारिक डिजिटल मंच है, जिसके माध्यम से प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं, विकास परियोजनाओं, महत्वपूर्ण निर्णयों, उपलब्धियों, जनहितकारी कार्यक्रमों तथा शासन की विभिन्न पहलों से संबंधित प्रमाणिक, तथ्यपरक एवं त्वरित जानकारी आमजन तक पहुँचाई जाएगी। इसके साथ ही विभाग द्वारा निर्मित वृत्तचित्र, विशेष रिपोर्ट, प्रेरणादायी वीडियो, सरकारी अभियानों तथा महत्वपूर्ण आयोजनों का भी नियमित प्रसारण इस मंच पर किया जाएगा। इस अवसर पर सूचना निदेशक विशाल सिंह ने कहा कि वर्तमान समय में डिजिटल मीडिया जनसंचार का सबसे प्रभावी माध्यम बनकर उभरा है। ऐसे में ह्लसूचना प्रवाहह्व यूट्यूब चैनल सरकार और जनता के बीच संवाद का एक सशक्त सेतु सिद्ध होगा। उन्होंने कहा कि इस मंच के माध्यम से नागरिकों को सरकार की योजनाओं, नीतियों एवं विकास कार्यों की विश्वसनीय और प्रमाणिक जानकारी सरल, सहज एवं आकर्षक स्वरूप में उपलब्ध कराई जाएगी। अपर निदेशक अरविंद कुमार मिश्र ने कहा कि विभाग समय के साथ आधुनिक तकनीकों को अपनाते हुए जनसंचार के नए आयाम स्थापित कर रहा है। ह्लसूचना प्रवाहह्व के माध्यम से प्रदेश की विकास यात्रा, जनकल्याणकारी कार्यक्रमों तथा शासन की उपलब्धियों को अधिक व्यापक स्तर पर लोगों तक पहुँचाया जाएगा, जिससे नागरिकों को सरकारी योजनाओं की सही एवं समयबद्ध जानकारी प्राप्त हो सकेगी। यह यूट्यूब चैनल प्रदेश सरकार की उपलब्धियों और जनहित से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियों के प्रसार का एक प्रभावी मंच बनेगा तथा आमजन और शासन के बीच संवाद को और अधिक मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

गुणकारी है अनन्नास का सेवन

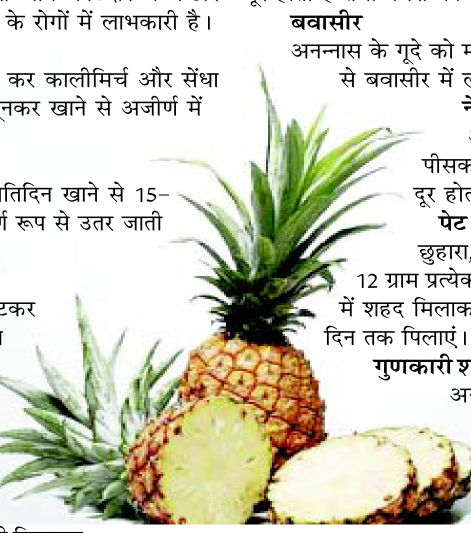

अनन्नास के वृक्ष प्राय: सड़कों के किनारे-किनारे पाए जाते हैं। अनन्ना का फल इसके बीच के हिस्से में लगता है। अनन्नास का ऊपरी भाग कांटेदार व कठोर होता है। अनन्नास का रस पेट के रोगों में लाभकारी है।

अजीर्ण

अनन्नास की फांकें काट कर कालीमिर्च और सेंधा नमक छिड़क कर आंच पर भूनकर खाने से अजीर्ण में लाभ होता है।

सूजन

अनन्नास का पूरा फल प्रतिदिन खाने से 15-20 दिन में शरीर की सूजन पूर्ण रूप से उतर जाती है।

पेट में बाल जाना

अनन्नास की फांक काटकर खाने से पेट में गया हुआ बाल गल जाता है।

पेशाब अधिक आना

अनन्नास के रस में जीरा, पीपल, काला नमक तथा जायफल का समभाग चूर्ण मिलाकर सुबह शाम पीने से पेशाब के अधिक आने की शिकायत दूर होती है।

पथरी व बैचेनी

नित्य अनन्नास का रस पीने से गर्मी के कारण बेचैनी दूर होती है तथा पथरी की शिकायत दूर होती है।

बवासीर

अनन्नास के गूदे को महीन पीसकर मस्सों पर बांधने से बवासीर में लाभ होता है।

नेत्रों की सूजन

अनन्नास के गूदे को महीने पीसकर आंखों पर बांधने से सूजन दूर होती है।

पेट के कीड़े

छुहारा, अजवायन तथा विडंग 12-12 ग्राम प्रत्येक का चूर्ण बना लें। 6 ग्राम चूर्ण में शहद मिलाकर अनन्नास के रस के साथ 3 दिन तक पिलाएं।

गुणकारी शर्बत

अनन्नास का रस एक किलो, गुलाब का अर्क 100 ग्राम मिलाकर तीन किलो शक्कर में पकाएं। पक जाने पर शर्बत की तरह प्रयोग में लें। यह पेशाब रोग को खत्म करता है तथा हृदय एवं मस्तिष्क को ताजगी देता है।

जब हो जाए बच्चों को अस्थमा

दमा या अस्थमा सिर्फ बड़ों को ही नहीं होता, यह बच्चों में भी पाया जाता है। दिल्ली जैले शहर में जहां विश्व भर में सब से अधिक प्रदूषण पाया जाता है, अब से केवल 3 दशक पहे केवल 5 प्रतिशत बच्चे ही दमा रोग से पीड़ित थे पर आज इस महानगर के 25 प्रतिशत बच्चे इस रोग से पीड़ित हैं पर इस का मतलब यह कदापि नहीं है कि अस्थमा केवल प्रदूषण के कारण ही होता है। अस्थमा क्या है?

'सेंटर फार स्किन डिसीजेज स्किन सर्जरी तथा कास्मेटिक डरमेटोलोजी सेंटर' के प्रमुख डा. अनुराग तिवारी का मानना है कि अस्थमा एलर्जी का ही एक रूप है। यदि एलर्जी से फेफड़े प्रभावित हों तो उसे अस्थमा कहते हैं। घर में सफाई के दौरान या बाहर धूल आदि होने के कारण अक्सर अस्थमा का दौरा पड़ जाता है। दमा एक प्रकार की एलर्जी है। बच्चों में रोग प्रतिरोधक क्षमता कम होती है इसीलिए कोई भी बाहरी वस्तु फौरन ही अस्थमा के लक्षण पैदा कर सकती है। बच्चे में जब दमा होता है तो देखा जाता है कि उस की सांस बहुत तेज चलने लगती है, खांसी आने लगती है, बैचेनी महसूस होती है। बच्चे के सांस लेने पर सीटी की सी आवाज सुनाई देने लगे तो समझना चाहिए कि दमा बहुत अधिक हो गया है। यदि शरीर नीला पड़ जाए, नब्ज तेज चलने लगे, जागते हुए भी लगे कि बच्चा सो रहा है और सांस प्रति मनिट पचास से ऊपर हो तो ऐसे दमे को गंभीर अवस्था वाला दमा माना जाता है। ऐसे में बच्चे को फौरन अस्पताल में भर्ती कराना

चाहिए। डा. अनुराग तिवारी कहते हैं कि जुकाम होने, पालतू कुत्ते-बिल्लियों के बालों, धूल-मिट्टी-कीटाणु से घर में मिट्टी, धुआं, प्रदूषण आदि कारणों से दमा बिगड़ जाता है। पेड़-पौधों के परागकणों से भी बच्चों में दमा होते देखा गया है। विशेषत: बच्चों में हंसना-रोना, उत्तेजित या उदास होना भी अस्थमा के दौरे को बढ़ावा दे सकता है। सिगरेट का धुंआ एवं आमतौर पर ली जाने वाली दर्द निवारक गोलियां जैसे एस्प्रिन, बूफ्रेन आदि के प्रयोग से भी हालत बिगड़ सकती है।

अनाज व कपास की धूल या छौंक लगाते समय निकलने वाले धुएं से भी दमा हो सकता है। दमा होने के कारण कोई भी क्यों न हो, यह संक्रामक रोग नहीं है, यह एक व्यक्ति से दूसरे को नहीं फैलता। इस बीमारी में शरीर के अंदर ही दोष पाया जाता है। डा. अनुराग तिवारी के अनुसार अस्थमा का पूर्ण इलाज अब तक ढूंढा नहीं जा सका है, लेकिन आजकल मिलने वाले सुविधाजनक इन्हेलर्स की मदद से अस्थमा के मरीज किसी हद तक सामान्य जीवन बिता सकते हैं। इन्हेलर्स दो प्रकार के होते हैं- प्रिवेंटर इन्हेलर्स और रिलीवर इन्हेलर्स। एक इन्हेलर्स देकर सांस की नली में आई सूजन को ठीक करते हैं। इन्हें स्टीरायड इन्हेलर कहते हैं। दूसरे, वह जो कि हवा की नलियों की सूजन को दूर करते हैं। इन्हें ब्रोंको डायलेटर इन्हेलर कहते हैं। इससे अलावा बच्चों को मुंह से पीने वाली दवाई दी जाती है जिस से बलगम पतला हो कर निकल जाए। केवल सादे गरम पानी की भाप से भी बलगम पतला हो सकता है। अगर बच्चा सांस नहीं ले पा रही है तो मुंह पर मास्क रख कर दवाई दी जाती है। यह सब विशेषज्ञ की निगरानी में ही किया जाता है।

हेल्थ प्लस

अकारण तनाव के शिकार न बनिए

मनोवैज्ञानिक बताते हैं कि तनाव हमारे परिवेश की चुनौतियों तथा दिन प्रतिदिन की बढ़ती अपेक्षाओं का सामना न कर सकने की हमारी क्षमता की मनोदैहिकी तथा मनोभावात्मक अनुक्रिया मात्र है तथा विषाद (डिप्रैशन) थकान, चिंता, स्नायुरोग, खीझ, उच्च रक्तचाप, दमा, आमाशय व्रण (ग्रैस्ट्रिक अल्सर) यहां तक कि हृदय रोग के रूप में भी प्रकट हो सकता है।

तनाव मूक प्रचालक है चुपचाप अपना काम करता रहता है। इसके शिकार को तब तक इसका आभास भी नहीं होता जब तक कि वह इसके उतर प्रभाव (आफ्टर इफेक्टस) से प्रभावित नहीं हो जाता है। बरी से बरी स्थिति से भी अधिक से अधिक लाभ उठाना हमारा ध्येय होना चाहिए। कल्पना लोक में न विचरण कर हम वास्तविक धरातल पर उतरकर हर वस्तु का, व्यक्ति का, परिप्रेक्ष्य का, वस्तुनिष्ठ तथा यथार्थवादी आकलन करें और तदानुसार व्यवहार करें, कार्य करें। वांछनीय है कि जीवन के प्रति हम एक शांत, निष्पक्ष रूख और रवैय्या अपनाएं। बहाव के प्रतिकूल लगातार तैरना थका देने वाला होता है। मान कर चलो कि हम यदि सोते भी रहेगें तो भी सूरज तो अपने समय पर निकलेगा ही। सारी दुनिया हमारे चाहे अनुसार चले, यह सोचना ही बेमानी है। संसार तो अपने ढंग से अपनी चाल से, अपनी मर्जी से चलेगा। बेहतर यह है कि जब तक नितांत जरूरी न हो, हम भी धारा के साथ-साथ ही चले और अकारण अपने को थकाएं नही, तनाव में न डालें। बीती ताही बिसार दे, अब आगे की सुध लें। यह एक सार्थक, व्यवहारिक उपयोगी उक्ति है। बीती बातों पर कुढ़ने पछताने या दु:खी होने से कोई लाभ नहीं। उन्हें पीछे छोड़कर आगे सोचें, तनाव से बचने का एक सर्वानुमोदित सूत्र हरी (हडबड़ी-जल्दबाजी), वरी (चिन्ता) तथा करी (गरिष्ठ भोजन) से दूर रहना भी है। रिलैक्स करने का अभ्यास कीजिए। हड़बड़ी करने की आदत छोड़ दीजिए अपने ही ऊपर सारा बोझ मत लादते जाइए। अपनी रूचि के अनुरूप कोई हॉबी, (शौक), शगल रखिए। उससे मन-मस्तिष्क को नई ऊर्जा मिलती है, तनाव से छुटकारा मिलता है। कभी-कभी बाहरी दुनिया से हटकर स्वयं से रू-ब-रू होने का अवसर भी निकालिए। घर-परिवार हो या कार्यस्थल, सबका सहयोग लेकर चलना हितकर है।

उत्तेजना से बचिए। क्रोध किसी समस्या का समाधान नहीं। इंसानी विसंगतियों और नासमझियों को हंसकर टाल जाइए। कार्यालय की परेशानियां घर मत ले जाइए, रविवार और अवकाश फुर्सत के लिए हंसने-खेलने के लिए, परिवार के साथ बिताने के लिए मिलने-मिलाने के लिए, आनंद लेने के लिए होते हैं। समय-समय पर छुट्टी लीजिए, घूमने जाइए। आपकी पत्नी और बच्चे तनाव के विरूद्ध आपका सबसे सक्षम कवच हैं तनाव में होते हुए कभी धूम्रपान, सुरापान मत कीजिए। नींद की गोलियां मत लीजिए। इनसे केवल अल्पकालिक अस्थायी आराम मिलता है आदत जरूर पड़ जाती है। तनाव का ठिकाना मन है अत: मन को सही दिशा में और सही दशा में रखना जरूरी है। आशावादी दृष्टिकोण, खुशमिजाज स्वभाव, सकारात्मक व्यवहार, सबके प्रति सद्भावना और संवेदना मन को स्वस्थ और तनाव रहित रखने में सहायक हैं।

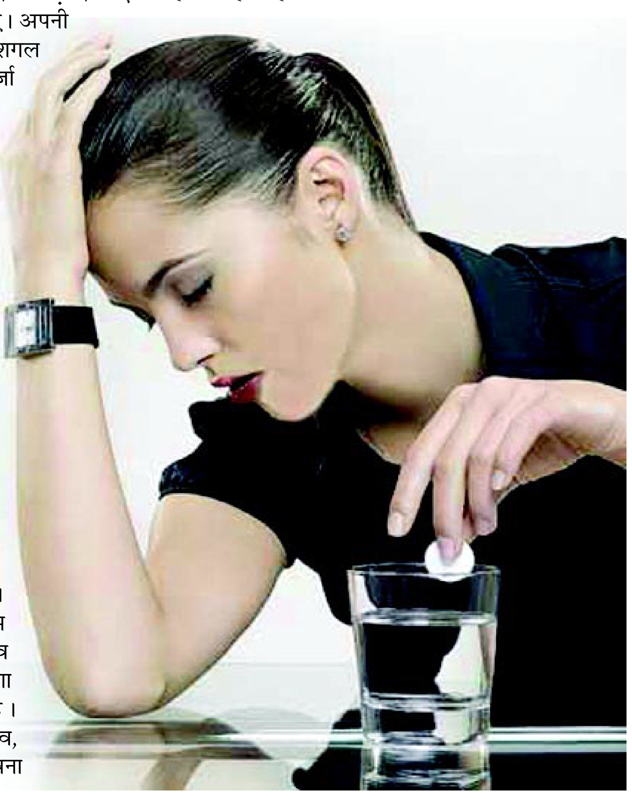

बहु उपयोगी है आंवला

आंवले का प्रयोग भोजन में करने से जहां हमारा स्वास्थ्य अच्छा बना रहता है वहीं यह हमें अनेक बीमारियों से बचाता है क्योंकि आंवले में विटामिन 'सी' की मात्रा अधिक होती है। कुछ व्यक्ति तो आंवला कच्चा ही खा लेते हैं -कच्चे आंवले की चटनी काफी स्वादिष्ट बनती है।

औषधि के रूप में भी इसका प्रयोग किया जाता है। बालों के लिए आंवला एक वरदान है। आंवले के नियमित प्रयोग से बाल काले, घने लंबे होते हैं। आंवले का प्रयोग हम निम्न प्रकार से कर सकते हैं।

आंवले का प्रयोग एक औषधि के रूप में :-

- दिमाग की शक्ति बढ़ाने के लिए आंवले को कस कर शहद में मिला कर लें।
- आंवला पाउडर, मुलहठी पाउडर खाली पेट लें। खांसी बलगम में लाभ मिलेगा।
- आंवला पाउडर, मिश्री पाउडर के साथ खाली पेट लेने से दिल से संबंधित बीमारियों में लाभ मिलता है।
- यकृत की बीमारी में आंवले का रस पानी के साथ दिन में तीन बार लें। लाभ मिलेगा।
- दिमाग की शक्ति बढ़ाने के लिए आंवले का मुरब्बा प्रतिदिन खाने से लाभ मिलेगा।

बालों के लिए आंवला

- आंवले का प्रयोग प्रतिदिन भोजन में करें चाहे चटनी के रूप में मुरब्बे के रूप में कच्चा आंवला भी खाया जा सकता है।
- आंवले के सेवन से बाल झड़ने कम होंगे, लंबे, घने व मजबूत बनेंगे। आंवले के सेवन से बालों को समय से पहले सफेद होने से बचाया जा सकता है। अगर आप के बाल सफेद हो गये हैं तो कच्चे आंवले का पेस्ट बालों की जड़ों में लगायें। धीरे-धीरे बाल सफेद होने रूकेंगे।
- बाल धोने के लिए लोहे की कड़ाही में आंवला पाउडर, रीठा पाउडर, शिकाकाई पाउडर तीनों भिगों दें। सुबह उस पानी सें बाल धोयें। बालों का झड़ना कम होगा और बाल लंबे भी होंगे।
- सफेद बालों को काला करने के लिए रीछा पाउडर, आंवला पाउडर शिकाकाई पॉउडर रात को लोहे की कड़ाही में भिगो दें। सुबह चाय के पानी में मेंहदी मिला कर उसे कड़ाही वाले मिश्रण में मिला लें। ब्रुश लेकर इस पेस्ट को बालों में लगा दें। चार पांच घंटे तक बालों में लगा रहने दें। सूखने पर शेंपू से बाल धो लें। सप्ताह में दो बार बालों में उपरोक्त मिश्रण को लगायें धीरे-धीरे बालों की सफेदी दूर होगी।
- बाल धोने के बाद आंवले का तेल बालों में लगायें। बालों को काला करने के लिए यह भी उपयोगी है।
- अगर हम थोड़ा सा ध्यान देकर आंवले का प्रतिदिन प्रयोग करें तो यह सोने पे सुहागे का कार्य करता है।
- गर्मी के मौसम में इसका नियमित सेवन ठंडक प्रदान करता है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष — चू चे चो ला ली लू ले लो आ
कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। शुभांक-3-6-8

वृष — इ उ ए ओ वा वी वू वे वो
अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। विद्यार्थियों को लाभ। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। शुभांक-6-7-9

मिथुन — का की कू घ ड छ के को हा
समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। शुभांक-3-4-8

कर्क — ही हू हे हो डा डी डू डे डो
मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। संतान की उन्नति के योग हैं। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। शुभांक-4-8-9

सिंह — मा मी मू मे मो टा टी टू टे
संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। महत्त्वपूर्ण निर्णय के लिए दूरदर्शिता से काम लें। भावनाओं का उद्वेग बढ़ेगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-6-8-9

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
पुराने मित्र से मिलन होगा। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। व्यापार में वृद्धि होगी। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रहें। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। शुभांक-4-2-9

तुला — रा री रु रे रो ता ती तू ते
माता पक्ष से विशेष लाभ होगा। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। शुभांक-6-8-9

वृश्चिक — तो ना नी नू ने नो य यी यू
नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। स्वास्थ्य का पाया कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-2-6-7

धनु — ये यो भा भी भू धा फा ढा भे
कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। शुभांक-3-7-9

मकर — भे जा जी खी खू खे खो गा गी
कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। साथी अथवा यार दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। किसी कार्य विशेष के लिए यात्रा आवश्यक होगी। शुभांक-6-7-8

कुंभ — गू गे गो सा सी सू से सो दा
शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते हैं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। आलस्य का त्याग करें। काम पर पैनी नजर रखिए। सब्र का फल मीठा होता है अत: धैर्य रखें व अच्छे समय इन्तजार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। शुभांक-2-5-7

मीन — दी दू थ झ ञ दे दो चा ची
पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। सफलता मिलेगी। शुभांक-3-7-8

काकुरो पहेली - 3922

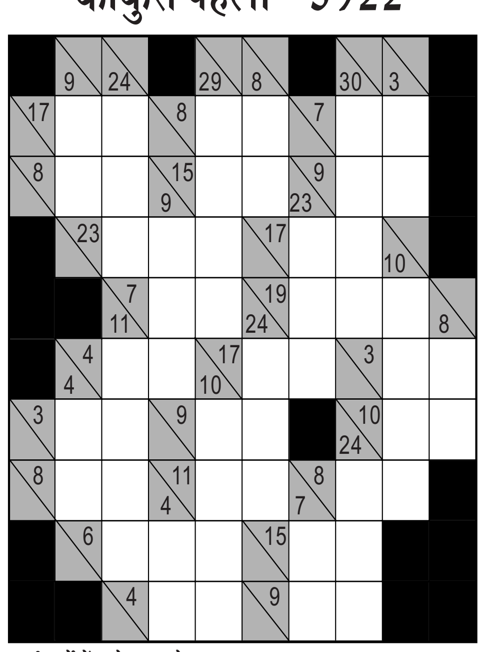

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुन: उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

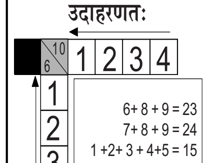

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो -3921 का हल

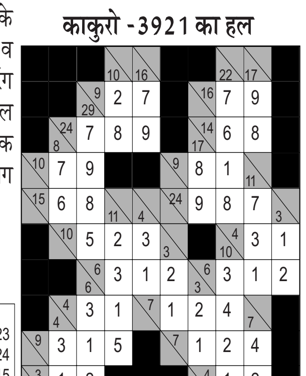

हंसी के फूव्वारें

तुम्हारे घर में किसका शासन चलता है ?

अपनी जगह सभी शासन करते हैं.

वह कैसे ?

मेरी पत्नी बच्चों पर शासन करती है, बच्चे नौकरों को डांटते रहते हैं और मैं कुत्ते-बिल्लयों को झिड़कता रहता हूँ.

□ □ □

मोहन तुम आजकल स्कूल में कैसे चल रहे हो ?

मोहन बोला- वाह पापाजी, मैं कभी आपसे आपके ऑफिस के बारे में बात करता हूँ ?

□ □ □

थका हुआ पति: आज शाम का घूमना तो रद्द करो.

पत्नी: आप तो सवेरे से ही कह रहे थे मैं तो तभी से मेकअप कर रही थी अब पूरा हुआ तो आप मना करने लगे.

□ □ □

दस साल के एक लड़के का दांत निकालने के बाद डॉक्टर ने उसके बाप से कहा-लाओ पांच रुपये.

पांच रुपये ? मगर आपने तो पहले कहा था कि आप दांत उखाड़ने का एक रुपया लेते हैं.

ठीक है, मगर आपके लड़के की चिल्लाहट सुनकर दांत उखड़वाने के लिए आये हुए मेरे चार रोगी भी तो चले गये.

फिल्म वर्ग पहेली- 3922

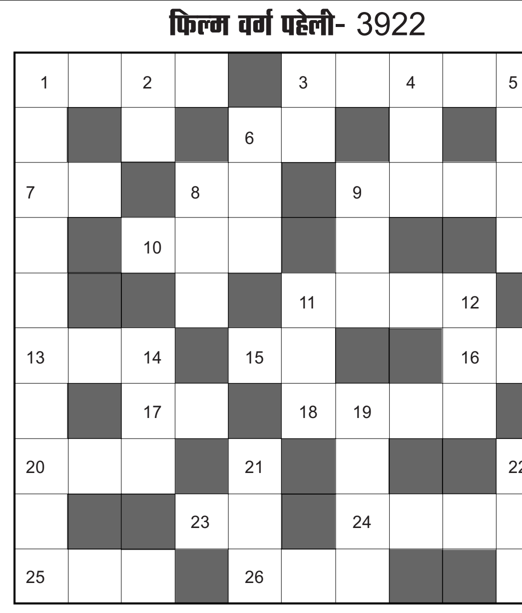

बायें से दायें:-

१. इमरान हाशमी, दीपल शॉ की 'क्योंकि इतना प्यार' गीत वाली फिल्म-४
३. 'सौ दर्द हैं सौ राहतें' गीत वाली प्रीती, सलमान, अक्षय की फिल्म-२,१,२
६. आमिर खान, माधुरी दीक्षित की 'हम प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-२
७. 'आजा गुफाओं में' गीत वाली अमिताभ, मनोज की फिल्म-२
८. मोहित अहलावत, निशा की 'धीमी धीमी सी जिंदगी' गीतवाली फिल्म-२
९. 'ये मुलाकात एक बहाना है' गीत वाली जीतेंद्र, सुलक्षणा की फिल्म-४
१०. अनिलकपूर, स्मिता की 'आसमान छत हो मेरी' गीत वाली फिल्म-३
११. 'एक था बचपन' गीत वाली अशोक कुमार, संजीव, सुमिता की फिल्म-४
१३. सनी, मीनाक्षी शेशाद्रि की 'गवाह हैं चाँद तारे' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'सारे मोहल्ले में हल्ला' गीत वाली सुनील शेट्टी, पूजा बत्रा की फिल्म-२
१६. नसीर, जैकी, शिल्पा, की 'लड़का लड़की से' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'मैं ऐसा क्यों हूँ' गीत वाली अमिताभ, ऋतिक की फिल्म-२
१८. जीतेंद्र, लीना की 'दुनिया ने मुझको समझा नाकारा' गीत वाली फिल्म-४
२०. 'मिली तेरे प्यार की छाँव' गीत वाली अनिलकपूर, पूनम की फिल्म-३
२३. संजयदत्त, उर्मिला की 'ये जान ले ले रे' गीत वाली फिल्म-२
२४. 'प्यार मुझसे जो किया' गीत वाली फारूख शेख, दीप्ति की फिल्म-२,२
२५. अमिताभ, हेमा मालिनी की 'दूल्हा दुल्हन की जोड़ी' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'चोरी चोरी जब नजरें मिली' गीत वाली बॉबी देओल, नेहा की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'मितवा, कहे धड़कने तुझसे' गीत वाली अमिताभ, शाहरूख, जॉन, अभिषेक, काजोल की फिल्म-२,४,१,३
२. अजय, अभिषेक, रानी, करीना, 'कभी नीम नीम कभी शहद शहद' गीत वाली फिल्म-२
३. 'एक लड़की बस गई' गीत वाली सनी देओल, तब्बू, रीमा सेन की फिल्म-२
४. राहुल खन्ना, जॉन, मिथुन, लारा, अमीषा की 'बेचैन मेरा दिल' गीत वाली फिल्म-३
५. 'कश पे कश लगाने दे' गीत वाली शरदकुमार, नंदा की फिल्म-२,२
६. ऋषि कपूर, शाहरूख, दिव्या की 'ऐसी दीवानगी देखी नहीं' गीत वाली फिल्म-३
८. 'तुम्हारे प्यार में' गीत वाली धर्मेन्द्र, संजीव कुमार, आशा की फिल्म-३
९. नाना, सलमान, मनीषा, सीमा की 'आज मैं ऊपर आसमां नीचे' गीत वाली फिल्म-३
११. 'मेरी बन्नो की आएगी' गीत वाली जैकी, जूही, अमृतासिंह की फिल्म-३
१२. अक्षय खन्ना, सोनाली बेंद्रे की 'सावन बरसे तरसे दिल' गीत वाली फिल्म-३
१४. फिल्म 'दूध का कर्ज' में जैकी श्रॉफ के साथ नायिका कौन थी?-३
१९. जैकी श्रॉफ मोहसिन खान, नीलम की 'दे दो दे दो मुझे दिल' गीत वाली फिल्म-४
२१. 'रहने को घर नहीं है' गीत वाली संजय दत्त, पूजा भट्ट की फिल्म-३
२२. गिरीश कर्नाड, स्मिता पाटिल की 'म्हारो गाँव काथिया पारे' गीत वाली श्याम बेनेगल निर्देशित फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 3921

सूडोकु -3922

4			9		6	1		8
6	8							
	1	7	3	8		4		
3	4		6		7			9
5		1	8			2		7
2			5		1		8	4
		3		7	5	8	6	
							9	5
7		6	2		8			1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3921 का हल

2	9	8	3	5	6	1	7	4
4	5	3	2	1	7	9	8	6
7	1	6	4	8	9	2	5	3
8	2	5	6	9	1	3	4	7
3	6	4	7	2	5	8	1	9
1	7	9	8	3	4	5	6	2
5	4	1	9	7	2	6	3	8
6	3	2	1	4	8	7	9	5
9	8	7	5	6	3	4	2	1

शब्द पहेली - 3922

बाएँ से दाएँ

1.द्वेष,झगड़ा,रार-3
4.बुरकापोश-5
8.गागर,घड़ा-3
9.प्याऊ (उर्दू-3)
10.पैंदा,तला-2
12.बरस,वर्ष-2
13.सतत,लगातार-5
16.मजार,समाधि-4
17.उदारता,बड़पन्न-4
18.वायदा,कसम-2
19.महीना,माह-2
20.हमसफर-4
23.आदेश,आज्ञा-4
25.कहानी लेखक-5
28.गधा,गर्दभ-2
29.श्रवणेंद्रिय-2
31.बारिश,वर्षा-3
33.देवर्षि-3
35.दया करना-3,2
36.चिंतन

ऊपर से नीचे

1.कुपुत्र-3
2.अधिकार-2
3.सलाह,राय-4
4.अफसोस,खेद-4
5.शीतकालीन फसल-2
6.दलहन-2
7.ठंडा,सर्द-3
11.जिज्ञासा,उत्साह-3
12.बारिश का मौसम-3
13.धारावाही,अविराम, सीरियल-5
14.रीत,परंपरा-2
15.जीवनसाथी, हमराही-5
21.मोर-3
22.जल,नीर-2
24.पीहर-3
26.गजशाला, हाथी घर-4
27.करतब, करामात-4
28.उपभोग,खर्च-3
30.नेत्र,चक्षु,आंख-3
31.सवारी गाड़ी-2
32.रहन,गिरवी वस्तु-2
34.ताकत,जोर,बल-2

शब्द पहेली -3921 का हल

कीर्ति कुल्हारी ने मानवी गगरू के लिए लिखी खास बात

अभिनेत्री पत्रलेखा और मानवी गगरू स्टारर कॉमेडी ड्रामा 'हीर सारा और पुडुचेरी' बड़े पर्दे पर प्रदर्शित हो चुकी है। अभिनेत्री कीर्ति कुल्हारी ने फिल्म और मानवी गगरू को बधाई देते हुए एक दिलचस्प पोस्ट शेयर किया। अभिनेत्री इंस्टाग्राम पर फिल्म का क्लिप शेयर करते हुए लिखा, 'इस खास दिन पर मानवी गगरू को दिल से ढेर सारी बधाई और शुभकामनाएं। आप पहले से भी ज्यादा चमकें और फिल्म को खूब प्यार मिले, यही कामना है। ढेर सारा प्यार, बड़ी-सी झप्पी और हीर सारा की पूरी टीम को शुभकामनाएं। दोस्तों, जाइए और इस खूबसूरत फिल्म को अपने नजदीकी सिनेमाघरों में देखकर अपना प्यार दीजिए।' निर्देशक कार्तिक चौधरी द्वारा बनाई गई यह फिल्म दो महिलाओं की भावनात्मक यात्रा पर आधारित है, जो व्यक्तिगत संकटों और सामाजिक दबावों के बीच जीवन में मुक्ति और नया उद्देश्य तलाशती हैं। सारा (पत्रलेखा) एक महत्वाकांक्षी बाइकर हैं और हीर (मानवी गागरू) एक अन्य महिला हैं जो जीवन के अलग-अलग दौर से गुजर रही हैं।
सारा अपनी मां को खोजने के लिए इंदौर से पांडिचेरी (पुडुचेरी) की यात्रा पर निकलती हैं, जबकि हीर अपने बॉयफ्रेंड की शादी को रोकने का प्रयास करती है। यह फिल्म पहचान, महिला दोस्ती और सामाजिक अपेक्षाओं के बंधनों से मुक्त होकर खुद को फिर से खोजने के साहस का जश्न मनाती है।
फिल्म का निर्माण मेघा क्रिएशन्स (दिनेश सोनी), नेक्स्ट लेवल प्रोडक्शंस (नीरज रुहिल और सुभव शर्मा) और ऑप्टिकस इंक ने मिलकर किया है। फिल्म को सोनी म्यूजिक इंडिया का सहयोग मिला है।
फिल्म में आरिफ जकारिया, निशंक वर्मा और श्वेता साल्वे भी अहम किरदारों में नजर आ रहे हैं। फिल्म को दर्शकों की तरफ से मिली-जुली प्रतिक्रिया मिल रही है। उनका मानना है कि फिल्म का मूल विचार बहुत अच्छा था, लेकिन पटकथा थोड़ी सुस्त है और इसमें रोमांच या हास्य की कमी है। कई विषयों को छूने के बावजूद, फिल्म उनमें गहराई तक नहीं उतर पाती।

क्या बड़े पर्दे पर वापसी करेंगी कटरीना कैफ?

कटरीना कैफ के फैंस लंबे समय से उनकी बड़े पर्दे पर वापसी का इंतजार कर रहे हैं। ऐसे में खबर है कि अभिनेत्री एक सीक्वल के लिए बातचीत कर रही हैं। इस फिल्म में तब्बू भी शामिल हो सकती हैं। हालांकि इसकी जानकारी अभी गुप्त रखी गई है, मगर इस प्रोजेक्ट ने इंडस्ट्री में हलचल मचा दी है।

बड़े पर्दे पर वापसी कर सकती हैं कटरीना?

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक कटरीना कैफ एक सीक्वल से जुड़ सकती हैं। ऐसा माना जा रहा है कि वह इस फिल्म से बड़े पर्दे पर वापसी के लिए तैयार हैं। कहा जा रहा है कि इस प्रोजेक्ट में मूल फिल्म की अभिनेत्री तब्बू भी नजर आ सकती हैं। हालांकि मेकर्स ने इस बारे में अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की है। प्रोजेक्ट की ज्यादा जानकारी गुप्त रखी गई हैं। कटरीना के इस प्रोजेक्ट में शामिल होने की संभावना ने फैंस के बीच काफी उत्साह पैदा कर दिया है। फिल्मफेयर के मुताबिक कटरीना कैफ पर 2001 की फिल्म 'चांदनी बार' के सीक्वल 'चांदनी बार 2' के लिए विचार किया जा रहा है। खबरों के अनुसार, इस प्रोजेक्ट का निर्देशन अजय बहल कर रहे हैं और फिलहाल इसकी कास्ट को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया चल रही है।

क्या है 'चांदनी बार' की कहानी

'चांदनी बार' (2001) का निर्देशन मधुर भंडारकर ने किया था। इस क्राइम ड्रामा में मुंबई के अंडरवर्ल्ड की काली सच्चाइयों को दिखाने की कोशिश की गई थी। यह फिल्म मुमताज की कहानी है, जिसका किरदार तब्बू ने निभाया है। मुमताज एक युवा महिला है जिसे बार डांसर के तौर पर काम करने के लिए मजबूर होना पड़ता है।

कटरीना कैफ का वर्कफ्रंट

कटरीना कैफ की हालिया फिल्मों में 'सूर्यवंशी', 'फोन भूत', 'टाइगर 3' और 'मेरी क्रिसमस' शामिल हैं। एक्टिंग के साथ-साथ, उन्होंने अपने ब्यूटी ब्रांड को बढ़ाने पर भी ध्यान दिया है।

वीर दास होंगे 'बारह नंबर' के निर्देशक

एक्टर, कॉमेडियन और फिल्ममेकर वीर दास ने अपनी अगली डायरेक्टोरियल फिल्म 'बारा नंबर' का एलान किया है। इस फिल्म में शीबा चड्ढा, अरुणोदय सिंह, एहसास चन्ना और अतुल कुलकर्णी जैसे कलाकार होंगे। यह साइकोलॉजिकल हॉरर फिल्म है। दास ने इस साल की शुरुआत में स्पाई कॉमेडी फिल्म 'हैप्पी पटेल : खतरनाक जासूस' से बतौर डायरेक्टर डेब्यू किया था।

कवि शास्त्री के साथ दोबारा जुड़े वीर दास

'बारा नंबर' के लिए वीर दास एक बार फिर 'हैप्पी पटेल' के को-डायरेक्टर कवि शास्त्री के साथ काम करेंगे। इस फिल्म से वह क्रिएटिव प्रोड्यूसर के तौर पर जुड़ेंगे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक दास भी फिल्म में बतौर एक्टर काम करेंगे। इसमें निहारिका लायरा दत्त, श्रिया पिलगांवकर, सुहैल नय्यर, पूजा स्वरूप और नवीन कौशिक भी शामिल हैं।
वीर दास ने बताया 'इस प्रोजेक्ट की सबसे रोमांचक बात यह है कि इसमें ऐसे कलाकार साथ आए हैं, जिनकी मैं तारीफ करता हूं। शीबा, अतुल, अरुणोदय, श्रिया, एहसास, निहारिका, सुहैल और नवीन, हर कोई फिल्म में एक अलग ऊर्जा और असलियत लेकर आता है।'

कब अच्छी लगती है हॉरर फिल्म?

उन्होंने आगे कहा 'हॉरर फिल्म तब अच्छी लगती है जब दर्शकों को हर पल असली लगे और इस कलाकारों की टीम ने कहानी को उस स्तर से कहीं आगे पहुंचा दिया है, जो मैंने इसे लिखना शुरू करते समय सोचा था।' 'पेद्दी' के एक्शन डायरेक्टर ने आमिर खान से की राम चरण की तुलना, शूटिंग के दौरान इस वजह से याद आई फिल्म 'दंगल'

वीर दास ने किया इन फिल्मों में काम

'देली बेली', 'गो गोवा गॉन' जैसी फिल्मों और 'कॉल मी बे' जैसी सीरीज में काम करने के लिए मशहूर वीर दास, अपने बैनर 'जजू प्रोडक्शंस' के जरिए 'बारा नंबर' को प्रोड्यूस करेंगे।

अमिताभ बच्चन ने एक ही दिन में शूट की 12 शॉर्ट फिल्में

अमिताभ बच्चन 83 वर्ष की उम्र में भी इंडस्ट्री में न केवल सक्रिय हैं, बल्कि पूरी ऊर्जा और क्षमता के साथ काम कर रहे हैं। इसे लेकर वे अपने प्रशंसकों के साथ अपडेट भी साझा करते रहते हैं। बिग बी नियमित रूप से ब्लॉग लिखते हैं। हालिया ब्लॉग में उन्होंने खुलासा किया कि उन्होंने 12 फिल्मों की शूटिंग एक ही दिन में पूरी कर ली। हालांकि, ये शॉर्ट फिल्में थीं, लेकिन यह भी कोई मजाक नहीं है।
अमिताभ बच्चन ने 12 शॉर्ट फिल्मों की शूटिंग का काम एक ही दिन में निपटा देने के साथ ही दो स्टिल शूट भी उसी दिन पूरे किए। बिग बी ने अपने ब्लॉग में एक नोट के साथ तस्वीरें साझा की हैं। उन्होंने ब्लॉग में लिखा है, 'काम तो काम है। आज 12 शॉर्ट फिल्में शूट कीं और दो स्टिल शूट किए और अब आप पर काम कर रहा हूं'। आगे लिखा है, 'बिना किसी देरी के, जोड़ने की यह प्रक्रिया ही आज का मुख्य काम है। बाकी सब तो चलता रहेगा। ये रुकना नहीं चाहिए। ब्लॉगिंग के शौकीन अमिताभ बच्चन ने आगे लिखा कि काम के दिन से पहले पूरी तैयारी के साथ पढ़ाई और अभ्यास करना चाहिए। परिस्थितियां कैसी भी हों, कभी समझौता नहीं करना चाहिए। बता दें कि अमिताभ बच्चन इन दिनों निर्देशक नाग अश्विन की फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' के सीक्वल की शूटिंग में व्यस्त हैं।

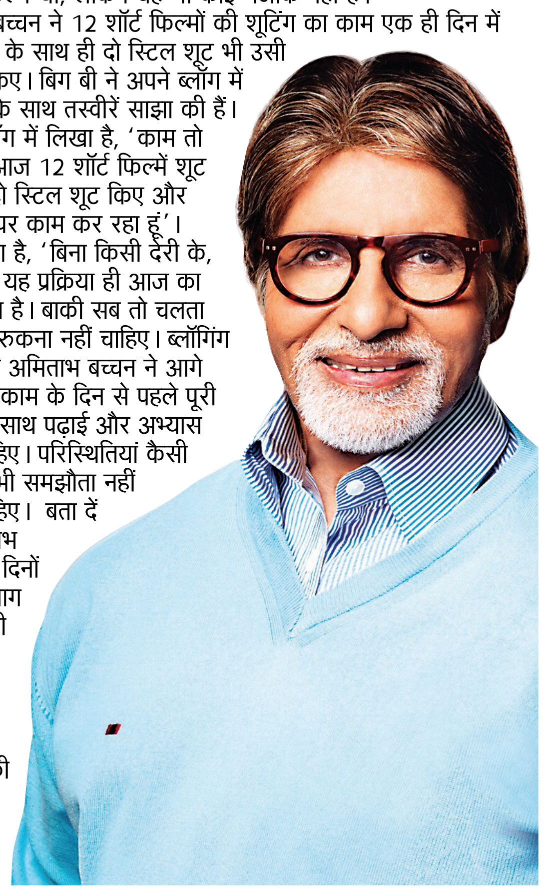

भविष्य में नए और चुनौतीपूर्ण किरदार निभाने की इच्छा है

कहते हैं कि सपने बड़े देखो तो उसकी कीमत भी चुकानी पड़ती है और संघर्ष ही इस कीमत को वसूलता भी है। कई सफल टीवी शो का हिस्सा रह चुकीं अभिनेत्री सुम्बुल तौकीर ने अपने करियर के सफर, संघर्ष और सफलता को लेकर खुलकर बात की है। 'इमली' जैसे चर्चित टीवी शो से घर-घर में पहचान बनाने वाली सुम्बुल का कहना है कि एक सफल कलाकार बनने का उनका रास्ता आसान नहीं था, लेकिन हर अनुभव ने उन्हें आगे बढ़ने और बेहतर बनने की प्रेरणा दी।
सुम्बुल ने बताया, 'मैं हमेशा से एक्टर बनना चाहती थी। इंडस्ट्री में मेरा सफर डांस रियलिटी शो से शुरू हुआ, लेकिन मेरा सपना अभिनय करना था। अभिनेत्री ने बताया कि उन्हें अपने निभाने हर किरदार से कुछ नया सीखने का मौका मिला है। उन्होंने कहा कि शुरुआती शोज से लेकर वर्तमान शो 'इत्ती सी खुशी' तक, अलग-अलग किरदारों को पर्दे पर जीवंत करना उन्हें बेहद पसंद है। उनके अनुसार, एक कलाकार के लिए हर किरदार एक नई चुनौती और सीख लेकर आता है। सुम्बुल ने यह भी माना कि कई बार दर्शक किसी कलाकार और उसके किरदार के बीच फर्क करना भूल जाते हैं। उन्होंने कहा कि जब कोई किरदार दर्शकों के दिलों तक पहुंचता है और लोग उस पर मजबूत प्रतिक्रिया देते हैं, तो यह कलाकार के काम की सबसे बड़ी सफलता होती है।
उन्होंने कहा कि उन्हें अब तक निभाए गए सभी किरदारों पर गर्व है और भविष्य में भी नए और चुनौतीपूर्ण किरदार निभाने की इच्छा है। दर्शकों की सोच पर बात करते हुए सुम्बुल ने कहा कि लोग अक्सर पर्दे पर निभाए गए किरदारों के आधार पर कलाकारों की छवि बना लेते हैं। अगर कोई कलाकार नायक या नायिका की भूमिका निभाता है तो दर्शक उससे वास्तविक जीवन में भी वैसा ही व्यवहार करने की उम्मीद करते हैं।

थिएटर में नसीरुद्दीन शाह सर ने बहुत डांट लगी थी

अहाना कुमरा ने अपने संघर्ष, रिस्क लेने की हिम्मत और एक कलाकार के तौर पर खुद को तराशने पर बातें की हैं। उन्होंने शहर की सीख और वैल्यूज के साथ मुंबई में काम पर बातें कीं। उन्होंने कहा- थिएटर में उन्हें नसीरुद्दीन शाह सर ने बहुत डांट लगी थी।

अहाना ने थिएटर पर की बात

थिएटर की सख्ती, अपने फैसलों की कीमत और इंडस्ट्री की सियासत, इन सबके बीच अपनी अलग पहचान बनाने वाली अहाना कुमरा की सोच उतनी ही साफ है, जितनी वह बेबाक हैं। नसीरुद्दीन शाह से मिली सीख ने उन्हें आत्मनिर्भर बनाया तो लखनऊ की तहज़ीब और जिद आज भी उनके काम में झलकती है। अहाना कुमरा ने इस खास बातचीत में अपने संघर्ष, रिस्क लेने की हिम्मत और एक कलाकार के तौर पर खुद को लगातार तराशने की प्रक्रिया पर खुलकर बात की।
लखनऊ ने मुझे तहजीब और जिद दोनों दी हैं। अगर कहें तो मुंबई में जाकर आप तहजीब भूल जाते हैं (ठहाके लगाते हुए)। हालांकि, इस शहर ने एक जिद जरूर दी है क्योंकि जब आप ऐसे शहरों से आते हैं, जहां आपको अपने शहर का नाम रोशन करना है तो अंदर एक जिम्मेदारी सी रहती है। मैं यहां अब रहती नहीं हूं लेकिन साल में एक-दो बार आना-जाना जरूर हो जाता है। कभी खाने के बहाने तो कभी किसी इवेंट में शिरकत करने। लखनऊ आते ही ऐसा लगता है कि मुझे इसका नाम रोशन करना है। मुझे इसके लिए पांच या दस साल लग जाएं लेकिन कोशिश यही रहेगी कि मैं हमेशा जुटी रहूं और डटी रहूं। इस शहर ने जो सीख और वैल्यूज दी हैं, उन्हें साथ लेकर ही मैं मुंबई में काम कर रही हूं।

नसीरुद्दीन शाह ने कहा, यह तुम्हारी जिम्मेदारी है

थिएटर में सबसे पहली चीज आप अनुशासन और शिद्दत सीखते हैं। आपको जो बोला गया है, वो आपको करना होगा और इसके पैसे नहीं मिलते हैं। फिल्मों की तरह 10 लोग आपके आजू-बाजू नहीं रहते हैं। याद है जब मैंने अपना पहला शो 'मॉटली' में किया था तो बैकस्टेज अपने कपड़े खुद सेट किए थे। हमारी बिलॉन्गिंग्स और चेंजेस होते हैं, जिन्हें चेक किया जाता है और वो मैंने ठीक से नहीं किया। उस पर नसीरुद्दीन शाह सर ने मुझे बहुत डांट लगाई थी। उन्होंने कहा था- तुमको क्या लगता है कि यहां तुम्हारे काम अलग से कोई करेगा? चुपचाप जाकर अपने सारे कॉस्ट्यूम चेक करो। देखो कहां क्या रखा है। यह तुम्हारी जिम्मेदारी है कि तुम जब वापस स्टेज से आओगे और दूसरे सीन के लिए तैयार होने जाओगे तो तुम्हें पता हो कि कहां पर क्या रखा है। हम यहां तक ड्रेस रिहर्सल करते थे कि अगर 30 सेकेंड हैं तो कैसे अपनी ड्रेस को अनजिप करें और कैसे नई ड्रेस जिप करके स्टेज पर फटाफट पहुंचें। अगर आप ये चीजें नहीं सीखते तो काम नहीं चलेगा। थिएटर में आपके पास समय नहीं है और वहां आपका काम कोई दूसरा नहीं करेगा। वहां आपको आत्मनिर्भर बनना पड़ता है। आजकल के ऐक्टर्स में मैंने देखा है कि वे काम बाद में शुरू करते हैं, पहले उनके इर्द-गिर्द 10 चेले-चपाटे आ जाते हैं। वो चीजें आपको थिएटर में नहीं मिलती हैं। मैं हमेशा कहती हूं कि कोई भी यंग ऐक्टर जो ऐक्टिंग शुरू करना चाहता है, उसे थिएटर जरूर करना चाहिए।

अपने फैसलों की बहुत कीमत चुकाई है

हमेशा से कहती आई हूं कि जो मैं अपने डिसिजन लेती हूं, उसकी पूरी जिम्मेदारी मेरी है। मुझे यह जिम्मेदारी भी पूरी करनी है कि ऐसे रोल करूं, जिन्हें लोग बरसों याद रखें। उसके बारे में बाद में मुझे सोचकर यह ना लगे कि वो रोल क्यों किया। इन रोल्स को करने के लिए हमेशा बड़ी कीमत चुकानी पड़ती है। अगर आप हमारे जैसे प्रोफेशन में रिस्क नहीं लेंगे तो फिर यहां आने का कोई मतलब नहीं। आप नाइन टू फाइव जॉब कर लीजिए। बड़े-बड़े ऐक्टर्स रिस्क लेते हैं। रिस्क जिन्होंने नहीं लिया, उनके करियर बहुत जल्दी नीचे आ गए। मैंने अपने फैसलों की बहुत कीमत चुकाई है। बहुत लोगों की गालियां सुनी हैं। बहुत लोगों से यह भी सुना है कि तुम्हारे साथ आज के बाद काम नहीं करेंगे। मैंने उनसे यही कहा कि आप अकेले नहीं हैं। अगर आप मेरे साथ काम नहीं करेंगे तो भी मुझे काम मिलेगा। मैं खुद को इतना ग्रो कर चुकी हूं कि मुझे किसी की धमकी की जरूरत नहीं है। मैं तो अब प्रोड्यूस भी कर रही हूं।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।